www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

मौसम
अधिकतम तापमान 30.c
27.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 98.755g
चांदी 107,000kg

2 विश्व की नई आर्थिक शक्ति बने भारत

आसिम मुनीर बोले- पाकिस्तान शांति बनाए रखने वाला जिम्मेदार देश 04

वर्ष :09 | अंक :09 | मुंबई ,सोमवार , 30 जून 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2 : 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

जमीनी विवाद में गोलीबारी में किशोर की मौत, पुलिस मुठभेड़ में आरोपी पकड़े

फर्रुखाबाद जिले के नवाबगंज थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर हुई गोलीबारी में एक किशोर की मौत हो गई और उसकी बहन तथा चाचा घायल हो गए।पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ में आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उसने बताया कि शनिवार को नवाबगंज थाना क्षेत्र के राम नगर पुठरी गांव में खेत पर कब्जा करने के विवाद में एक पक्ष द्वारा की गई गोलीबारी में आकाश राजपूत (17) की मौत हो गई जबकि उसकी बहन पलक और चाचा महावीर घायल हो गए जिन्हें सैफई मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। इस मामले में आकाश राजपूत के पिता उमेश चन्द्र राजपूत ने आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई, जिसमे गांव के ही एक परिवार के सतनाम सिंह, सत्यवीर उर्फ शेर सिंह, अनार सिंह, अमर सिंह उर्फ सोनू व ओमकार सिंह को नामजद किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) संजय सिंह ने बताया कि शनिवार रात पुलिस टीम ने नवाबगंज के हददुआ चौराहे के पास मुठभेड़ के बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस कार्रवाई में गोली लगने से सत्यवीर उर्फ शेर सिंह घायल भी हो गया जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राजस्थान में भारत-पाक सीमा के पास मिले नाबालिग लड़की और युवक के शव, पाकिस्तानी सिम कार्ड बरामद

राजस्थान के जैसलमेर जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास एक नाबालिग लड़की और एक युवक के क्षत-विक्षत शव बरामद किए गए हैं। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, शवों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों की मौत लगभग एक सप्ताह पहले हुई होगी। शव शनिवार को बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल से एक पाकिस्तानी सिम कार्ड और युवक का पहचानपत्र भी बरामद हुआ है, जिसकी पहचान रवि कुमार (18) के रूप में की गई है। जैसलमेर के पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि शव सादेवाला क्षेत्र में मिले हैं, जो अंतरराष्ट्रीय सीमा से करीब 10-12 किलोमीटर भीतर भारतीय क्षेत्र में स्थित है। उन्होंने बताया कि शवों को रामगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के शवगृह में भेजा गया है और मौत के कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मृतक लड़की और युवक भारतीय नागरिक हैं या पाकिस्तानी। मामले की जांच की जा रही है।

पुरी में श्री गुंडिचा मंदिर के पास मची भगदड़, 3 की मौत, 50 से अधिक घायल

कलेक्टर-,एसपी का हुआ तबादला, डीसीपी और कमांडेंट निलंबित

दुखद हादसा

▸▸कुछ प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि एक ट्रक उस क्षेत्र में प्रवेश कर गया जहां श्रद्धालु एकत्र थे। यह ट्रक कथित तौर पर रथों के पास रखे ताड़ के लट्ठों को हटाने के लिए आया था। ट्रक के प्रवेश से श्रद्धालुओं के बीच अफरा-तफरी मच गई, जिससे हंगामा बढ़ गया और जल्द ही यह एक बड़ी भगदड़ में बदल गया।

एजेंसी

ओडिशा।पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान रविवार सुबह एक दुखद हादसा हुआ।सुबह करीब 4:30 बजे, श्रीगुंडिचा मंदिर के सामने भगवान के दर्शन के लिए भारी भीड़ उमड़ी थी, जिसके चलते धक्का-मुक्की और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। भगदड़ में कम से कम तीन व्यक्तियों की मौत हो गई और करीब 50 अन्य घायल हो गए। हादसे में 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 10 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को तुरंत पास के ही पुरी के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

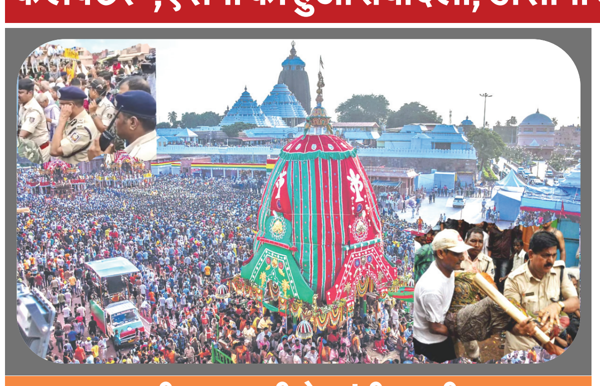

सीएम माझी ने मांगी माफी

पुरी: मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार (29 जून 2025) को पुरी के श्री गुंडिचा मंदिर के पास हुई भगदड़ के लिए जगन्नाथ भक्तों से माफी मांगी। इस हादसे में कम से कम तीन लोगों की मौत हुई और लगभग 50 अन्य घायल हो गए। माझी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, मैं और मेरी सरकार सभी जगन्नाथ भक्तों से क्षमा मांगते हैं। हम मृतक श्रद्धालुओं के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं और महाप्रभु जगन्नाथ से प्रार्थना करते हैं कि वे उन्हें यह दुख सहन करने की शक्ति दें। उन्होंने सुरक्षा में चूक की गहन जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन भी दिया।

नवीन पटनायक का बयान

बीजू जनता दल प्रमुख नवीन पटनायक ने पुरी में हुई भगदड़ को ओडिशा सरकार की नाकामी करार दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा, पुरी के शारदाबली में भगदड़ में जान गंवाने वाले तीन श्रद्धालुओं के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। विधानसभा में विपक्ष के नेता पटनायक ने कहा कि रथ यात्रा के दौरान भीड़ प्रबंधन में सरकार की विफलता ने शांतिपूर्ण उत्सव सुनिश्चित करने में उसकी अक्षमता को उजागर किया है।

भगदड़ की स्थिति कैसे बनी?

यह घटना श्रीगुंडिचा मंदिर के नजदीक शरधाबली क्षेत्र में हुई। उस समय भगवान जगन्नाथ के रथ के दर्शन के लिए हजारों भक्त जमा थे। भीड़ को नियंत्रित करना मुश्किल हो गया, जिसकी वजह से धक्का-मुक्की शुरू हुई। इस दौरान कुछ लोग गिर गए, जिससे भगदड़ जैसी हालात बन गए।

बोले जिलाधिकारी

पुरी के जिलाधिकारी सिद्धार्थ एस. स्वैन ने बताया कि यह घटना तड़के करीब चार बजे हुई, जब सैकड़ों श्रद्धालु रथयात्रा उत्सव देखने के लिए मंदिर के पास एकत्रित हुए थे। अधिकारियों ने बताया कि अनुष्ठान के लिए सामग्री ले जा रहे दो ट्रकों के भगवान जगन्नाथ और उनके भाई भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा के रथों के पास भीड़भाड़ वाले स्थान पर घुसने के बाद अफरा-तफरी मच गई।

कोलकाता गैंगरेप- सीसीटीवी फुटेज से पुष्टि हुई:आरोपी छात्रा से जबर्दस्ती करते दिख रहे

मारपीट से लेकर छेड़छाड़ तक, कोलकाता गैंगरेप आरोपी मोनोजीत मिश्रा पर पहले भी दर्ज हैं कई गंभीर आरोप

कोलकाता के साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज में एक लॉ छात्रा से हुए कथित गैंगरेप का मुख्य आरोपी मोनोजीत मिश्रा पेशे से वकील हैं। वह साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज का पूर्व छात्र है। वह तृणमूल कांग्रेस की छात्र इकाई, तृणमूल छात्र परिषद का पूर्व अध्यक्ष रह चुका है और कथित तौर पर टीएमसी के छात्र संगठन के दक्षिण कोलकाता विंग का संगठनात्मक सचिव भी है।

एजेंसी

कोलकाता ,कोलकाता की लॉ छात्रा से गैंगरेप मामले में सीसीटीवी फुटेज से गैंगरेप की पुष्टि हुई है। कॉलेज के सीसीटीवी में 25 जून की दोपहर 3:30 बजे से रात 10:50 बजे तक करीब 7 घंटे की फुटेज हैं। एक जांच अधिकारी ने बताया कि उसीसीटीवी में पीड़ित छात्रा को गार्ड के कमरे में जबर्दस्ती ले जाने की घटना कैद हुई है। इससे छात्रा की लिखित शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि होती है। वहीं, जिस गार्ड के कमरे में रेप हुआ था, शनिवार को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में अब तक कुल चार गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

इसके अलावा मामले में शुक्रवार को गठित स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम में आज मेंबर्स की संख्या पांच से बढ़ाकर नौ कर दी गई। असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस प्रदीप कुमार घोषाल इसे लीड कर रहे हैं। घटना 25 जून को कॉलेज के ग्राउंड फ्लोर के गार्ड रूम में हुई थी। मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा (31) है। घटना में जैब अहमद (19) और प्रमित मुखर्जी (20) भी शामिल हैं। मनोजीत कॉलेज का पूर्व छात्र है, जबकि जैब और प्रमित कॉलेज के छात्र हैं। मेडिकल रिपोर्ट में भी पीड़ित से रेप की पुष्टि हुई पीड़ित छात्रा की मेडिकल रिपोर्ट में शनिवार को रेप की पुष्टि हुई। मेडिकल जांच कलकत्ता नेशनल मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में की गई थी। पुलिस के मुताबिक पीड़ित के साथ जबरदस्ती करने, शरीर पर काटने और नाखून से खरोंचने के निशान मिले हैं। उससे मारपीट की भी पुष्टि हुई है।

मेडिकल रिपोर्ट में भी पीड़ित से रेप की पुष्टि हुई

पीड़ित छात्रा की मेडिकल रिपोर्ट में शनिवार को रेप की पुष्टि हुई। मेडिकल जांच कलकत्ता नेशनल मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में की गई थी। पुलिस के मुताबिक पीड़ित के साथ जबरदस्ती करने, शरीर पर काटने और नाखून से खरोंचने के निशान मिले हैं। उससे मारपीट की भी पुष्टि हुई है।

महुआ ने शादी करके एक परिवार तोड़ा:कल्याण बनर्जी

अब मुझे महिला विरोधी कह रहीं; कोलकाता रेप पर बयान से टीएमसी नेताओं में विवाद

▸▸कोलकाता गैंगरेप मामले को लेकर तृणमूल कांग्रेस के अंदर जुबानी जंग तेज हो गई है। सांसद कल्याण बनर्जी ने अपनी ही पार्टी की नेता महुआ मोइत्रा पर हमला बोला है। यह तब हुआ जब मोइत्रा ने सार्वजनिक तौर पर पार्टी पर अपने नेताओं के 'बेबुनियाद बयानों' की निंदा न करने का आरोप लगाया था। मोइत्रा ने अप्रत्यक्ष रूप से बनर्जी के उस बयान पर कटाक्ष किया था।

एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के दो कद्दावर सांसद, कल्याण बनर्जी और महुआ मोइत्रा, एक बार फिर आमने-सामने आ गए हैं। करीब तीन महीने पहले हुए सार्वजनिक विवाद के बाद, इस बार कोलकाता लॉ कॉलेज गैंगरेप मामले पर हुई बहस ने दोनों के बीच नई तकरार पैदा कर दी है। दरअसल, बनर्जी ने इस जघन्य अपराध पर एक विवादित टिप्पणी की थी, जिसकी मोइत्रा ने तीखी आलोचना की, जिसके बाद यह नया विवाद शुरू हुआ। कल्याण बनर्जी का विवादास्पद बयानमामला तब गरमाया जब कल्याण बनर्जी ने गैंगरेप पीड़िता को ही निशाना बनाते हुए कहा कि महिलाओं को पता होना चाहिए कि वे किसके साथ बाहर जा रही हैं।

आप का जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

भाजपा के झुग्गी तोड़ो अभियान पर अरविंद केजरीवाल ने साधा निशाना

जंतर-मंतर से भाजपा के खिलाफ हुंकार भरते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'चुनाव से पहले मैंने एक वीडियो जारी किया था, जिसमें कहा था कि आप उन्हें (भाजपा को) भूलकर भी वोट न दें, क्योंकि उनकी नजर आपकी जमीन पर है।' केजरीवाल ने आगे कहा, 'मैंने कहा था कि वो एक साल में तोड देंगे, लेकिन किसे पता था कि ये तो 5 महीने में ही आपके घर तोडकर पूरी दिल्ली का सत्यानाश कर देंगे।'

एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में झुग्गी-झोपडियों के खिलाफ चल रहे अभियान को लेकर दिल्ली की राजनीति गरमा गई है। दिल्ली सरकार के इस एक्शन के विरोध म्ेकी झुग्गियां तोड रहे हैं, जिससे वो सडक पर चलने के लिए भी लाचार हो गए हैं।' उन्होंने गरीबों की दुर्दशा पर जोर देते हुए कहा, 'गरीब आदमी अपनी झुग्गी के पास काम करता है... अगर झुग्गी टूटती है तो उसकी रोजी-रोटी भी बर्बाद हो जाती है... उन्होंने गरीबों को मरने के लिए छोड दिया है।'

'जहां झुग्गी, वहां मैदान': मोदी सरकार की गारंटी पर साधा निशाना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'जहां झुग्गी, वहां मकान' गारंटी पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने तंज कसा, 'मोदी जी आए थे और गारंटी देकर गए थे - 'जहां झुग्गी, वहां मकान', दरअसल उनका असली मतलब था - 'जहां झुग्गी, वहां मैदान', वोट दे दो, फिर सारी झुग्गियां तोड देंगे और गरीबों को सडकों पर ला देंगे। अब वो ये कर रहे हैं - एक-एक करके आपके घर को माटी में मिला रहे हैं।'

भाजपा के जितने भी इंजन हैं, सब ईंधन के जुगाड़ में लगे हुए : अखिलेश यादव

सपा मुख्यालय में भी भामा शाह की जयंती के दूसरे दिन उनकी स्मृति में आयोजित बैठक में सपा व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल ने अखिलेश यादव को व्यापारियों की ओर से सहयोग देने का भरोसा दिया।

एजेंसी

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को केंद्र और राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सत्तारूढ़ दल के जितने भी इंजन हैं, सब ईंधन के जुगाड़ में लगे हुए हैं।उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा के राज में व्यापार आर्थिक-सामाजिक आपातकाल के दौर से गुजर रहा है और यह व्यापारियों के ऊपर नए तरह की इमरजेंसी है।सपा मुख्यालय में पार्टी के फ्रंटल संगठन व्यापार सभा के कार्यकताओं और पदाधिकारियों की एक बैठक में शामिल होने के बाद यादव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, कहने को तो यह सरकार डबल इंजन की है

आपातकाल के खिलाफ लड़ने वालों को हमेशा याद किया जाना चाहिए: प्रधानमंत्री मोदी

मोदी ने मासिक रेडियो प्रसारण कार्यक्रम में आपातकाल का विरोध करने वाले प्रमुख नेताओं की टिप्पणियां सुनाई

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आपातकाल की 50वीं बरसी को हाल में संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाया गया और इसके खिलाफ लड़ने वालों को हमेशा याद रख जाना चाहिए।

एजेंसी

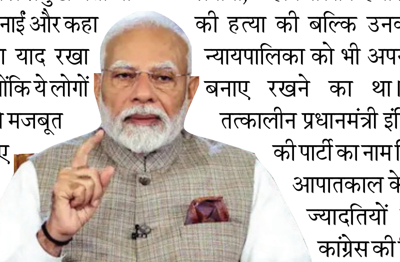

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आपातकाल के दौरान लोगों पर अत्याचार को लेकर तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर निशाना साधने के लिए रविवार को अपने मासिक रेडियो प्रसारण कार्यक्रम में आपातकाल का विरोध करने वाले प्रमुख नेताओं की टिप्पणियां सुनाईं और कहा कि इन्हें हमेशा याद रखा जाना चाहिए क्योंकि ये लोगों को संविधान को मजबूत रखने के लिए सतर्क रहने की प्रेरणा देता है।मोदी ने अपने मन की बात बात रेडियो प्रसारण में कहा कि जिन लोगों ने आपातकाल लगाया, उन्होंने ना सिर्फ हमारे संविधान की हत्या की बल्कि उनका इरादा न्यायपालिका को भी अपना गुलाम बनाए रखने का था।मोदी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पार्टी का नाम लिए बिना आपातकाल के दौर की ज्यादतियों के लिए कांग्रेस की निंदा की।

बारिश से उत्तराखंड-हिमाचल में तबाही

मनाली में हाईवे का हिस्सा बहा; राजस्थान के सरकारी अस्पताल में पानी घुसा

उत्तराखंड में आफत की बारिश, बादल फटने से उत्तरकाशी में 2 मजदूरों की मौत, चारधाम यात्रा 24 घंटे के लिए स्थगित

प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आशंका के मद्देनजर, राज्य सरकार ने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चारधाम यात्रा को अगले 24 घंटे के लिए स्थगित कर दिया है। मौसम विभाग द्वारा जारी भारी बारिश की चेतावनी और भूस्खलन के जोखिमों को देखते हुए यह महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है। प्रशासन हाई अलर्ट पर है और लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने तथा सतर्कता बरतने की अपील की गई है।

एजेंसी

नई दिल्ली , मानसून पूरे देश को कवर कर चुका है। पिछले एक हफ्त से लगातार बारिश की वजह से कई राज्यों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। उत्तराखंड और हिमाचल में बादल फटने की घटनाएं सामने आई हैं। भारी बारिश और खराब मौसम की वजह से उत्तराखंड में चारधाम यात्रा अगले 24 घंटे के लिए रोक दी गई है। ओडिशा के मयूरभंज जिले में भारी बारिश के चलते जमुआ घाट पुल टूट गया।वहीं, भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र ने आज केरल के तटीय इलाकों में 2 से 3 मीटर ऊंची लहरें उठने की आशंका जताई है।

हिमाचल प्रदेश

पिछले 9 दिन में 34 लोगों की मौत पिछले 24 घंटों में भारी बारिश के चलते कई जिलों में भूस्खलन और पानी भरने की घटनाएं सामने आई हैं। प्रदेश के रेवेन्यू मिनिस्टर जगत सिंह नेगी ने बताया कि बारिश से जुड़ी दुर्घटनाओं में 20 जून से अब तक 34 लोगों की मौत हो चुकी है।

हुंकार — बोले- यह देश किसी के बाप का नहीं

पटना में वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ तेजस्वी यादव ने भरी हुंकार

एजेंसी

तेजस्वी यादव ने अपने भाषण में कहा, 'यह देश किसी के बाप का नहीं है। आजादी की लड़ाई में सभी धर्मों के लोगों, चाहे वह हिंदू हों, मुसलमान हों, सिख हों या ईसाई, सभी के पूर्वजों ने अपना बलिदान दिया है। हिंदुस्तान की सरजमीं का हर इंच और इतिहास का हर पन्ना इस बात की गवाही देता है कि यह देश हम सबका है।'

नयी दिल्ली ।पटना के गांधी मैदान में शनिवार को वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ मुस्लिम संगठनों ने 'वक्फ बचाओ दस्तूर बचाओ' कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। इस दौरान बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी रैली में शामिल हुए और मंच से भाजपा सरकार पर जमकर गरजे। तेजस्वी यादव ने अपने भाषण में कहा, 'यह देश किसी के बाप का नहीं है। आजादी की लड़ाई में सभी धर्मों के लोगों, चाहे वह हिंदू हों, मुसलमान हों, सिख हों या ईसाई, सभी के पूर्वजों ने अपना बलिदान दिया है। हिंदुस्तान की सरजमीं का हर इंच और इतिहास का हर पन्ना इस बात की गवाही देता है कि यह देश हम सबका है।' यादव ने जोर देकर कहा कि बिहार में किसी भी कीमत पर वक्फ बिल संशोधन लागू नहीं किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अल्पसंख्यकों, गरीबों, पिछड़ों, अति-पिछड़ों और दलितों से उनके वोट के अधिकार को छीनने का प्रयास कर रही है। उन्होंने नए चुनाव आयोग के नोटिफिकेशन का हवाला देते हुए कहा कि 8 लाख वोटरों की सूची फिर से बनाई जा रही है, जो वोटिंग के अधिकार को छीनने की कोशिश है। तेजस्वी ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की और कहा कि हम लोग मिलकर लड़ेंगे और जीतेंगे। आपको बता दें कि वक्फ बिल संशोधन के खिलाफ मुस्लिम समाज के लोगों का यह महाजुटान इमारत-ए-शरिया द्वारा कुछ दिनों पहले घोषित किया गया था। तेजस्वी यादव ने ऐलान किया कि बिहार में उनकी सरकार बनने पर इस कानून को लागू नहीं होने दिया जाएगा. वहीं, एआईएमआईएम के अख्तरुल ईमान ने इसे अल्पसंख्यकों के खिलाफ साजिश करार दिया. दरअसल, विपक्ष का आरोप है कि यह कानून वक्फ बोर्ड की स्वतंत्रता छीनता है और जिलाधिकारियों को अधिक शक्तियां देता है. हालांकि, केंद्र सरकार का कहना है कि यह कानून पारदर्शिता, महिलाओं की भागीदारी और वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग को रोकने के लिए है. सुप्रीम कोर्ट में इसकी वैधता पर सुनवाई चल रही है और फैसला सुरक्षित रखा गया है. दरअसल, तेजस्वी यादव जब गांधी मैदान में भाषण देने के लिए आए तो उस समय तेजस्वी यादव बाल-बाल बच गए. तेजस्वी भाषण शुरू कर ही रहे थे, इसी दौरान एक ड्रोन उनके चेहरे से आकर टकराने लगा लेकिन तत्काल तेजस्वी यादव तुरंत झुके और वहां बगल खड़ी एक युवक ने हाथ लगाया और उसे गिरा दिया.

वन में रहने वाले समुदायों के अधिकारों को दी गई मान्यता को नजरअंदाज नहीं कर सकते : रमेश

रमेश ने फैसले का हवाला देते हुए कहा, इस परियोजना के जनस्वास्थ्य, जलविज्ञान और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र पर समग्र प्रभाव का न तो समुचित मूल्यांकन किया गया और न ही उचित रूप से विचार किया गया।

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रविवार को छत्तीसगढ़ में एक कोयला खनन परियोजना को पर्यावरण मंजूरी दिये जाने को लेकर केंद्र की आलोचना की और कहा कि वन अधिकार अधिनियम, 2006 के तहत वनों में रहने वाले समुदायों के अधिकारों को दी गई मान्यता को नजरअंदाज नहीं जा सकता। पूर्व पर्यावरण मंत्री रमेश ने कहा कि 15 जनवरी 2024 को राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की दो सदस्यीय भोपाल पीठ ने 209 पन्नों का फैसला सुनाते हुए महाराष्ट्र राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड (महाजेनको) को छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के गारे पाल्मा, सेक्टर-2 में कोयला खनन के लिए 11 जुलाई 2022 को दी गई पर्यावरण मंजूरी को रद्द कर दिया था। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) रमेश ने कहा कि यह खुली खदान 14 गांवों में 6,300 एकड़ से अधिक भूमि पर फैली है जिसमें से करीब आठ प्रतिशत हिस्सा समृद्ध वन क्षेत्र है। रमेश ने कहा, फैसला विस्तृत था और निष्कर्ष यह था: पर्यावरण मंजूरी देने के लिए कानून द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का अक्षरशः पालन नहीं किया गया। कांग्रेस नेता ने कहा कि इसमें कहा गया है कि निर्धारित कानून के अनुसार सार्वजनिक सुनवाई की आवश्यकता पूरी नहीं की गई।

सम्पादकीय

जस्टिस यशवंत वर्मा हाजिर हों!

कैश कांड की जानकारी गोपनीयता और संवेदनशीलता के घूंघट में उच्चाधिकारियों न्यायाधीशों के बीच घूमती रही। अदालत के गलियारों में धुंआ धूल और धुंध...खामोशी का षड्यंत्र गहराता रहा अटकलों का बाजार गमार्ता गया। कुछ पत्रकारों ने पर्दा हटाना शुरू किया तो पहले जज साहब को न्यायिक कार्य न करने के निर्देश और फिर इलाहाबाद वापस जाने के आदेश जारी हुए। वारेन हेस्टिंग्स के खिलाफ महाभियोग (1788-1795) की बहस में सांसद और वकील एडमंड बर्क ने कहा था- सत्य, न्याय और इंसाफ के लिए कानून के मार्ग पर जो राष्ट्र चलता है, वही महान है। बेहद गंभीर आरोपों और पर्याप्त साक्ष्यों के बावजूद ब्रिटिश संसद ने हेस्टिंग्स को बेकसूर माना और कंपनी ने उन्हें 4,000 पौंड सालाना पेंशन भी दी। शायद सत्ता अपने लाडले सपूतों के बचाव में ऐसे ही न्याय के नाटक-नौटंकी करती रही है। 14 मार्च, 2025 को दिल्ली के एक बंगले के स्टोर रूम में आधी रात आग लगने से धुंआ उठने लगा। आग में जलते नोटों के ताप से कांच की बोतलें टूटने और शराब बहने से आग और भड़क उठी। आग में शराब ने घी से भी अधिक खतरनाक काम किया। बंगला दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को आवंटित था। दमकल, पुलिस आई, आग बुझाई, वीडियो बनाई और जले-अधजले या बचे करोड़ों रुपये और शराब की बोतलों को यूं का यूं छोड़ चली गई। कोई पंचनामा (एफआइआर) या बरामदगी नहीं की गई। घटना के समय जस्टिस वर्मा और उनकी पत्नी भोपाल में थे। अगले दिन आए तो घटनास्थल पर शेष-अशेष कुछ न था। विश्वासपात्र सचिव और अन्य सेवकों ने सब साफ-सफाई कर दी। मीडिया में हफ्ते भर तक कोई खबर नहीं। कैश कांड की जानकारी गोपनीयता और संवेदनशीलता के घूंघट में उच्चाधिकारियों, न्यायाधीशों के बीच घूमती रही। अदालत के गलियारों में धुंआ, धूल और धुंध...खामोशी का षड्यंत्र गहराता रहा, अटकलों का बाजार गमार्ता गया। कुछ पत्रकारों ने पर्दा हटाना शुरू किया तो पहले जज साहब को न्यायिक कार्य न करने के निर्देश और फिर इलाहाबाद वापस जाने के आदेश जारी हुए। कैश कांड की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की गई। समिति की रिपोर्ट आने के बाद सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने जस्टिस यशवंत वर्मा पर महाभियोग चलाने की सिफारिश करके गेंद संसद के पाले में लुढ़का दी और खुद सेवानिवृत्त हो गए। न्यायपालिका की प्रतिष्ठा बचाने के लिए अधिकांश दस्तावेज (जांच रिपोर्ट के अलावा) सार्वजनिक करने पड़े। न जाने कैसे जांच रिपोर्ट बाद में लीक हो गई। जांच समिति में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, हिमाचल हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जीएस संधावालिया और कर्नाटक हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति अनु शिवरमन शामिल थे। फिलहाल महाभियोग की पेचीदा प्रक्रिया चलाने या न चलाने के मुद्दे पर वाद-विवाद, सहमति-असहमति की राजनीति के इर्द-गिर्द ही वरिष्ठ वकीलों द्वारा सार्वजनिक रूप से कानूनी तर्क-वितर्क रचे जा रहे हैं।

आज का विचार

अगर आप सोचते है कि
आप किसी काम को कर सकते है
तो निश्चित रूप से आप
उसे कर ही लेंगे

भारत संवाद

मेष राशि: करियर: माता-पिता के आशीर्वाद से आज आपको काम में अच्छे परिणाम मिलने से मन प्रसन्न होगा. दूसरों पर आपके काम और व्यवहार का पॉजिटिव असर पड़ेगा. बिजनेस: अगर आप कोई नया बिजनेस शुरू करना चाह रहे हैं, तो बिजनेस संबंधित क्षेत्र से जुड़े लोगों से एक बार सलाह जरूर ले लें

वृषभ राशि: करियर: जो लोग काफी दिनों से जॉब की तलाश में हैं, ऐसे संकेत धन: जो लोग जॉब कर रहे हैं, आज उन्हें अपने अच्छे काम के लिये इन्क्रीमेंट मिल सकता है स्वास्थ्य: आपका उत्साह बना रहने के साथ-साथ मन में नई चीजों को जानने के लिए उत्सुकता भी रहेगी

मिथुन राशि: करियर: आपको ऑफिस में काम कर रहे लोगों से किसी प्रोजेक्ट को लेकर सलाह मिल सकती है, लेकिन आपको अपनी समझ से फैसले लेने की जरूरत है. काफी दिनों से कोई रुका काम आज पूरा हो जायेगा बिजनेस: आप बिजनेस में नई चुनौतियों से निपटेंगे धन: आपको अपने काम में निरंतरता बनाये रखनी चाहिए इससे लोग आपके साथ जुड़े रहेंगे और धनलाभ के योग.

कर्क राशि : करियर: आपको हर काम में सावधान रहने की जरूरत है. किसी दूसरे व्यक्ति की वजह से आपके काम में जरूरत से ज्यादा समय लग सकता है धन: अपनी आर्थिक स्थिति पर थोड़ा ध्यान रखना चाहिए, अपने खर्चों पर कण्ट्रोल करें

सिंह राशि : करियर: आप काम के सिलसिले में किसी दूसरे शहर की यात्रा कर सकते हैं बिजनेस: कोई व्यक्ति आपके विचारों को दबाने की कोशिश कर सकता है धन: मेहनत का फल आपको जरूर मिलेगा.स्वास्थ्य: इस राशि की महिलाओं को अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत है

कन्या राशि : करियर: ऑफिस मीटिंग के दौरान आप अपनी बात अच्छे से रख पायेंगे। सब लोग आपकी प्रेजेन्टेशन से खुश होंगेबिजनेस: आप सारे काम बखूबी पूरा करेंगे. जो लोग मॉडलिंग के क्षेत्र से जुड़े हैं, उन्हें किसी अच्छी ब्रांड के लिये काम करने का मौका मिल सकता है.

तुला राशि : करियर: ऑफिस में सीनियर के साथ इधर-उधर की बातें करने से आपको बचना चाहिए. बिजनेस: व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होना तय हैधन: आप घर में किसी प्रकार का सुधार करवा सकते हैं. घर के लिये कुछ जरूरी चीजें भी खरीद सकते हैं। लेकिन ध्यान रहे जो भी करें

वृश्चिक राशि : करियर: आप जीवन में किसी तरह के बदलाव को लेकर सोच-विचार करेंगे. साथ काम करने वाले लोगों से भी इस बारे में बात करेंगेबिजनेस: कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा.

धनु राशि: करियर: व्यापारी वर्ग का रूका हुआ काम आज तेजी के साथ आगे बढ़ने से आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगीबिजनेस: वकीलों को आज किसी महत्वपूर्ण केस में सफलता मिलेगी.

मकर राशि: करियर: बेहतर होगा किसी बड़े की सलाह लेकर काम करें. बिजनेस: आप कोई ऑनलाइन काम शुरू करने का मन बनायेंगे, जिसमे परिवार के सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगाधन: पैसों के मामले में आपको अपने जीवनसाथी की जरूरत पड़ सकती है

कुंभ राशि : करियर: आपका व्यक्तित्व खुशबू की तरह चारों तरफ महकेगा. आपको कोई बड़ी प्रसिद्धि मिल सकती हैस्वास्थ्य: बेहतर स्वास्थ्य के लिये सुबह टहलने के बाद एक्सरसाइज जरूर करें, जल्द ही फायदा नजर आयेगा

मीन राशि: करियर: इंजिनियरिंग की जॉब कर रहे लोगों को पदोन्नति का अवसर मिलेगा बिजनेस: जो लोग इलेक्ट्रॉनिक के काम से जुड़े हैं, आज उनके काम में अच्छा मुनाफा होगा.धन: आर्थिक रूप से आप मजबूत रहेंग. लव/पारिवारिक: दाम्पत्य जीवन में आपसी विश्वास के सहारे संबंधों में मजबूती आयेगी। अपने किसी पुराने मित्र के साथ घूमने का प्रोग्राम कर सकते हैंउपाय: किसी जरूरतमंद को कपड़े दान करें

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

विश्व की नई आर्थिक शक्ति बने भारत

> यह बात भी महत्वपूर्ण है कि पाकिस्तान भारत के आपरेशन सिंदूर से पराजित होकर चीन की मदद से अपने परमाणु हथियारों को उन्नत करने की कोशिश में जुट गया है। ऐसे में दो शत्रु देश चीन और पाकिस्तान के साथ होने से भारत के लिए एआइ साइबर तकनीक और मिसाइल रक्षा जैसी नई तकनीक से उन्नत परमाणु शक्ति बनना जरूरी है।

पा हाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने देश को आर्थिक और सामरिक क्षेत्र में मजबूत बनाया है। आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने महज 22 मिनट में स्वदेशी हथियारों से दुश्मन को घुटने टेकने पर मजूबर कर दिया। अब भारत को दुनिया की आर्थिक शक्ति बनने, पाकिस्तान और चीन की चुनौतियों से मुकाबले के लिए उन्नत एआइ से संपन्न एवं आर्थिक रूप से सशक्त देश बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इजरायल-ईरान युद्ध और आपरेशन सिंदूर का विश्लेषण बताता है कि अब युद्ध में एआइ और आर्थिक ताकत की अहमियत बढ़ गई है और परमाणु हमले की धमकी बेअसर साबित हो रही है। चूंकि शक्ति के माध्यम से ही शांति आती है और उससे भविष्य के युद्ध भी रोके जा सकते हैं, अत: भारत को हर मोर्चे पर शक्तिशाली बनाना होगा। इसके लिए जरूरी है सरकार, विज्ञानी, तकनीकी विशेषज्ञ, उद्यमी-कारोबारी और जनता एकजुटता दिखाए। भारतीय अर्थव्यवस्था जिस तेजी से बढ़ रही है, उसे देखते हुए देश के वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की उम्मीद बढ़ी है। इजरायल-ईरान युद्ध की चुनौतियों के बीच भारत बहुआयामी आर्थिक सुधारों के बल पर मजबूती के साथ खड़ा है। इस युद्ध से कई देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम में वृद्धि, खाद्यान्न सहित जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति

में कमी और शेयर बाजार में गिरावट आई, वहीं भारत बेहतर स्थिति में रहा। आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के साथ संघर्ष का भी भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर नहीं पड़ा। भारत का बड़ा घरेलू बाजार, निर्यात पर कम निर्भरता, सरकार के भारी पूंजीगत व्यय, बढ़ती क्रय शक्ति और कृषि क्षेत्र में सफलता ने देश को बाहरी आर्थिक झटकों से झेलने में सक्षम बनाया है। युद्ध के दौर में भी भारत के निर्यात बढ़े और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में वृद्धि हुई है। इजरायल-ईरान युद्ध से जहां दुनिया में महंगाई बढ़ी, वहीं भारत में घटी। भारत की खुदरा महंगाई दर महज 2.82 प्रतिशत और थोक महंगाई दर महज 0.39 प्रतिशत है। यह पिछले 14 महीनों का सबसे निचला स्तर है। देश के खाद्यान्न भंडार में एक साल से भी अधिक की जरूरतों को पूरा करने लायक गेहूं और चावल हैं। कृषि उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक इस वर्ष खाद्यान्न उत्पादन लगभग 6.5 प्रतिशत बढ़कर 35.39 करोड़ टन के रिकार्ड स्तर पर पहुंच सकता है। युद्ध के बीच भी भारत पर दुनिया का आर्थिक विश्वास बना रहा। इस समय भारत के पास 699 अरब डालर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार है। भारत की विकास दर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 प्रतिशत रहेगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) की विश्व आर्थिक परिदृश्य से जुड़ी रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2025 में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनते हुए दिखाई देगा। भारत को दुनिया की नई आर्थिक शक्ति बनाने के लिए कुछ बातों पर ध्यान देना चाहिए। चीन से आयात में कमी लाकर व्यापार घाटा नियंत्रित किया जाना चाहिए। चीन के साथ द्विपक्षीय कारोबार में भारत लगातार घाटे की स्थिति में बना हुआ है। वित्त वर्ष 2024-25 में चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 99.2 अरब डालर हो गया, जो 2023-24 में 85.07 अरब डालर था। ब्रिटेन के बाद अब अमेरिका और यूरोपीय संघ से नए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और द्विपक्षीय व्यापार समझौते कर व्यापार घाटे में कमी लाई जा सकती है। भारत को ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजरायल सहित खाड़ी के प्रमुख देशों के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप देना चाहिए। सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यम (एमएसएमई) तेज विकास एवं रोजगार के लिए एक कारगर माध्यम बन सकते हैं। एमएसएमई निर्यात बढ़ाते हुए आयात नियंत्रित करके आर्थिक चिंताए कम कर सकते हैं। इस समय भारत का सेवा निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। इसके कारण भारत को सेवा निर्यात की वैश्विक राजधानी के रूप में देखा जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का सेवा निर्यात करीब 387.5 अरब डालर रहा। देश से सेवा निर्यात बढ़ाकर भी व्यापार घाटे में कमी लाई जा सकती है। आत्मनिर्भर भारत अभियान, मेक इन इंडिया, जीएसटी और लाजिस्टिक सुधार के साथ-साथ आर्थिक और वित्तीय सुधार भी भारतीय अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ा सकते हैं। इस बीच, दुनिया में नए हथियारों का विकास नई हथियार दौड़ को जन्म दे रहा है। दुनिया के नौ परमाणु शक्ति संपन्न देश अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया एवं इजरायल अपने परमाणु हथियारों को और उन्नत करने में जुटे हैं। अमेरिका और रूस के पास दुनिया के करीब 90 प्रतिशत परमाणु हथियार हैं। चीन के पास करीब 600 परमाणु हथियार हैं। भारत के पास 180 और पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार हैं। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि पाकिस्तान भारत के आपरेशन सिंदूर से पराजित होकर चीन की मदद से अपने परमाणु हथियारों को उन्नत करने की कोशिश में जुट गया है। ऐसे में दो शत्रु देश चीन और पाकिस्तान के साथ होने से भारत के लिए एआइ, साइबर तकनीक और मिसाइल रक्षा जैसी नई तकनीक से उन्नत परमाणु शक्ति बनना जरूरी है। सरकार को इजरायल-ईरान युद्ध और आपरेशन सिंदूर से मिले सबक के मद्देनजर देश को आर्थिक, उन्नत एआइ और परमाणु शक्ति संपन्न बनाने के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ना चाहिए।

बाह्य तथा आंतरिक सुरक्षा के खतरे

भारत संप्रभुता एकता तथा अखंडता का वैश्विक स्वच्छ एवं साफ-सुथरी छवि वाला एकमात्र बड़ा लोकतांत्रिक देश है। अमेरिका में भी लोकतंत्र है पर वहां पूंजीवादी व्यवस्था तथा व्यापक व्यवसायीकरण ने अनेक राष्ट्रपतियों को विस्तार वादी तथा साम्राज्यवादी मानसिकता का बना दिया है। अमेरिका की शक्ति संपन्नता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसे एक संवेदनहीन,लोकतांत्रिक एवं निरंकुश राष्ट्र के रूप में स्थापित कर चुकी है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में अमेरिका और विभिन्न काल खंडों में अलग-अलग देशों को एक दूसरे से युद्ध करने के उकसाने के लिए बदनाम रहा है, और उसकी इस इस कूटनीति का सबसे बड़े एवं तात्कालिक उदाहरण अफगानिस्तान में तालिबान आतंकवादियों का कब्जा एवं और रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन अमेरिकी तथा अमेरिकी समर्थित नैटो एवं यूरोपीय देशों की भूमिका ही रही है। इसी तरह इसराइल हमास युद्ध में इसराइल को खुला समर्थन देकर अमेरिका ने विस्तारवाद तथा साम्राज्यवाद की आग को हवा देने का काम किया है और लगभग 2 हजार लोगों की जान को जिंदगी से वंचित कर दिया है। दूसरी तरफ भारत एक विशाल लोकतांत्रिक देश होने के साथ-साथ शांति सौहार्द्र और गुटनिरपेक्षता का पक्षधर रहा है। भारत देश में सदैव वैश्विक शांति का संदेश ही दिया है, यह अलग बात है कि भारत में धार्मिक सामाजिक आर्थिक विविधता विषमता के कारण अंदरूनी विवादों तथा आतंकवादी गतिविधियों के कारण अशांत रहने पर मजबूर किया है। भारत की आंतरिक सुरक्षा भी पिछले 20 वर्षों से अलग-अलग शहरों यहां तक संसद भवन के हमलों और कश्मीर में विभिन्न समय तथा स्थानों पर आतंकवादी हमलों ने भारत की आंतरिक व्यवस्था में उथल-पुथल मचाने का प्रयास किया है, भारत की शक्ति और सामर्थ्य इतनी सक्षम है कि आतंकवादियों के हमलों का भारत

सरकार ने समय-समय पर मुंहतोड़ जवाब भी दिया है। पठानकोट और पुलवामा हमले इसके सबसे सशक्त और सक्षम मामले हैं जहां भारत ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट किया है। जम्मू कश्मीर में भी छुटपुट घटनाओं के अलावा स्वतंत्रता के बाद से शांति का माहौल स्थापित हुआ है। जहां तक भारत की सीमा के विवाद का प्रश्न है तो भारत भौगोलिक रूप से एशिया के दक्षिणी भाग में स्थित है और भारत की सीमाएं 7 जिनमें चीन, नेपाल, म्यानमार ,भूटान, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान देश शामिल हैं। भारत सदैव अपने पड़ोसियों से शांति के संबंध स्थापित रखना चाहता है। भारत की विदेश नीति गुटनिरपेक्ष एवं शांति, सद्भावना की रही है। भारत के साथ पड़ोसी देशों में भूटान,बांग्लादेश श्रीलंका ,मालदीव ,सदैव भारत के साथ मित्रवत रहे हैं किंतु चीन तथा पाकिस्तान ने हमेशा भारत के हितों का नुकसान की चाहा है भूटान, बांग्लादेश, और बांग्लादेश ने भारत से अपने संबंध अपने हितों से जोड़कर कई संधियों में हस्ताक्षर किए ,जिसके कारण दोनों देशों ने मिलकर कई पावर प्लांट, पावर ट्रांसमिशन लाइन,1 बंदरगाह की विकास रेल लाइन निर्माण आदि में एक दूसरे का साथ दिया है। मालदीव एक एसा देश है जिसका दक्षिण तथा अरब सागर में सामरिक महत्व है, इसलिए भारत के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। चीन पाकिस्तान के अलावा नेपाल से भी भारत के संबंध बहुत मधुर कभी नहीं रहे हैं नेपाल में चीन तथा पाकिस्तान के हस्तक्षेप के कारण नेपाल भारत की आलोचना करता आया है। पाकिस्तान का इस्लामिक कट्टरपंथ एवं वहां की सेना तथा पाकिस्तानी शासन के हुक्मरान भारत को अपना दुश्मन नंबर एक मानते हैं। भारत का नेपाल के साथ सीमा विवाद है जिसके चलते नेपाल का नजरिया भारत के प्रति बदलता गया है। भारत और चीन के संबंध 1962 के बाद से सभी सामान्य नहीं रहे हैं। लाइन आफ एक्चुअल कंट्रोल में चीन ने अरुणाचल प्रदेश तथा लद्दाख में सदैव अतिक्रमण किया है और भारत का चीन से डोकलाम, पपेंगांग, गलवान क्षेत्रों में सैनिक स्तर का विवाद होता रहा है और एलएसी पर चीन और भारत में बड़ी संख्या में सैनिकों को तैनात किया है। इसी बात में अमेरिका भारत के साथ है किंतु रूस इस मामले में निरपेक्ष नीति अपनाए हुए हैं। यह अलग बात है कि अमेरिका भारत का स्वतंत्रता के बाद से तभी सहयोगी मित्र नहीं रहा है और रूस ने परंपरागत रूप से अपनी मित्रता भारत के साथ अलग-अलग घटनाओं तथा युद्धों में साबित की है। यह तो तय है कि भारत में आतंकी गतिविधियां आंतरिक सुरक्षा के लिए हमेशा खतरा बनी हुई थी और है। इसके अलावा एल ए सी तथा एलओसी में चीन तथा पाकिस्तान जैसे देशों से हमें मुकाबला करना होगा। पाकिस्तान दिवालिया होने की कगार पर है पर चीन की मदद तथा उकसावे के कारण पाकिस्तान भारत को एक बड़ा दुश्मन मानती है। वैसे तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत सरकार की सभी देशों से अच्छी मित्रता है एवं भारत को शांति का पक्षधर माना जाता है किंतु रूस यूक्रेन युद्ध में यह बात एकदम स्पष्ट उभर कर आई है कि किसी भी युद्ध में देश को अपनी सुरक्षा खुद की शक्ति एवं सामर्थ्य से करनी होगी। अमेरिका जैसे देश बाहर से तमाशा देखने वाले देशों में माने जाते हैं। अतः भारत को अपनी आंतरिक तथा सीमा की सुरक्षा स्वयं के शक्ति तथा सामर्थ से ही करनी होगी एवं हमेशा सतर्कता बरतनी होगी।

राजनीति में अब चापलूसों की चौकड़ी में रहने के दिन लद गए- चौकन्नी हुई जनता-विधायक सांसद व मंत्री को अब टैलेंट चौकड़ी में दिखना बेहतर रहेगा

वैश्विक स्तरपर राजनीतिक क्षेत्र में बहुत तेजी के साथ बदलाव होते दिख रहे हैं। एक जमाना था जब पंचायत समिति मेंबर से लेकर मंत्री तक चापलूसों से घिरे रहकर,जी हुजूरी का जीवन जीते थे,मगर आज ऐसादिखा तो हाई कमान बाहर का रास्ता दिखा देते हैं। अपने अन्य नेताओं की चापलूसी के अनेक किस्से हम इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया पर देख चुके हैं परंतु,अब ऐसा युग शुरू हो गया है कि, नेतागण जनता के साथ ईमानदार कर्मठ योग्यता के धनी कर्तव्यनिष्ठ निष्पक्ष व्यक्तियों के सानिध्य में रहना जरूरी है। 2 वर्ष पूर्व हमने देखे कि तीन-चार राज्यों के ऐसे व्यक्तियों को मुख्यमंत्री बनाया गया जो चौथी कतार में बैठे थे, सबसे बड़ी बात वर्तमान राष्ट्रपति महोदय को भी हम दूर-दूर तक नहीं जानते थे। आज जनता ऐसा बदलाव चाहती है, ताकि भारत का सर्वांगीण हिस्सा विकास हो। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र, इस चापलूसी पर पैनी नजर रखता हूं, व देखता हूं कि हमारी राइस सिटी गोंदिया में दो थाना क्षेत्र है, वहां जब भी नए थानेदार से लेकर एसपी तक वह एसडीओ से लेकर कलेक्टर तक पदभार संभालते हैं, तो एक समाज ग्रुप उनका जबरदस्त स्वागत करता है, व उनके फोटो निकालकर पूरे प्रिंट इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया पर प्रचारित करते हैं,यानें असल में वे यह दिखाना चाहते हैं कि देखो हमारी इतनी पहचान व रुतबा है। मेरा मानना है कि यह ट्रांसफर पोस्टिंग तो होती रहती है, उन्हें अपनी जिम्मेदारी निभानी ही है, परंतु उन अधिकारियों को संज्ञान देना चाहिए कि कहीं इनका कोई हित, स्वार्थ, चापलूसी या कोई गैर कानूनी व्यवसाय व्यापार या दलाली तो नहीं ?यह पता करना उनका कर्तव्य है। ठीक वैसा ही आज समाज व आध्यात्मिक क्षेत्र में भी संज्ञान लेने की जरूरत है, ताकि इन चापलूसों को जड़ से उखाड़ फेंका जा सके,जो अपने निजी स्वार्थ के लिए नेताओं, आध्यात्मिकता व सामाजिक कर्तव्यबध व्यक्तियों के अपने मतलब के लिए आगे पीछे घूमते हैं। चूँकि आज आधुनिक युग में राजनीतिक सामाजिक आध्यात्मिक क्षेत्र में चापलूसों को हटाकर काबिल व टैलेंटेड साथियों को सेवाएं देना समय की मांग है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, राजनीति में अब चापलूसों की चौकड़ी में रहने के दिन लद गए,चौकन्नी हुई जनता, विधायक सांसद व मंत्री को टैलेंट की चौकड़ी में रहने की जरूरत है।

साथियों बात अगर हम चापलूसी की करें तो, भारत में हम दैनिक दिनचर्या में राजनीतिक सामाजिक इत्यादि अनेक क्षेत्रों में चापलूस शब्द अक्सर सुनते रहते हैं। अधिकतम बयानबाजी में चापलूस शब्द का उल्लेख किया जाता है। अक्सर हम देखते हैं कि किसी भी पार्टी या सामाजिक संस्था में से अलग होने वाला नेता समाजसेवी सेवक कार्यकर्ता ऐसा जरूर बयान देता है कि पार्टि, संस्था अब चापलूसों से घिर गई है मेरा उसमें काम करना कठिन हो गया था, या फलाना हमारा लीडर चापलूस लोगों की ही सुनता है! स्वाभिमानी इंसान का वहां मूल्य नहीं! चापलूसी को झूठी प्रशंसा चाटुकारिता, मक्खनबाजी, खुशामद, बढ़ई दिखावी आवभगत, चने के झाड़ पर चढ़ाना इत्यादि अनेक शब्दों का एक जुमला प्रसंग के रूप में परिभाषित कर सकते हैं। अगर हम किसी व्यक्ति की तारीफ में यही उपरोक्त शब्दों को एकीकृत कर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हैं तो हमें अप्रत्यक्ष रूप से चापलूस बाज कहा जा सकता है। जबकि पूरी पारदर्शिता, सौ बात की एक बात, कड़वी सच्चाई, मुंह पर बोलना, बिना लाग लपेट के बोलना इत्यादि गुणों वाले व्यक्ति को स्वाभिमानी की संज्ञा दी जाती है।

हम हिंदी का विरोध नहीं करते, सिर्फ उसे थोपे जाने के खिलाफ हैं : उद्धव ठाकरे

सरकार ने 17 जून को एक आदेश जारी किया, जिसमें कहा गया है कि मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों को हिंदी सामान्य रूप से तीसरी के रूप में पढ़ाई जाएगी।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई:शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी हिंदी का विरोध नहीं करती, बल्कि इसे थोपे जाने के खिलाफ है। दक्षिण मुंबई में एक विरोध-प्रदर्शन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए ठाकरे ने यह बात कही। इस विरोध-प्रदर्शन के दौरान 17 जून के उस सरकारी आदेश की प्रतियां जलाई गईं, जिसमें स्कूलों के लिए तीन नीति संबंधी निर्देश जारी किया गया था।शिवसेना (उबाठा) ने पूरे राज्य में इसी तरह के विरोध प्रदर्शन किए। ठाकरे ने कहा, हमने सरकारी आदेश की प्रतियां जलाई हैं, जिसका मतलब है कि हम इसे स्वीकार नहीं करते।हम हिंदी का विरोध नहीं करते, लेकिन हम इसे थोपे जाने की अनुमति नहीं देंगे।मराठी के साथ अन्याय हुआ है। सवाल यह है कि आप छात्रों पर कितना दबाव डालने जा रहे हैं।पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इस मुद्दे पर पांच जुलाई को होने वाला मोर्चा भव्य होगा, जो उनकी पार्टी और राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा।सरकार ने 17 जून को एक आदेश जारी किया, जिसमें कहा गया है कि मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों को हिंदी सामान्य रूप से तीसरी के रूप में पढ़ाई जाएगी।

हिंदी भाषा को अनिवार्य बनाने के दोनों फैसले रद्द, देवेंद्र फडणवीस का बड़ा ऐलान

सरकार ने रविवार को तीन भाषा नीति पर लिए गए दो सरकारी आदेश रद्द कर दिए।विपक्ष का आरोप था कि सरकार हिंदी को राज्य के लोगों पर थोपने की कोशिश कर रही है।मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अब भाषा फार्मूला लागू करने के लिए एक समिति बनाने की घोषणा की है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र सरकार ने रविवार को तीन भाषा नीति पर लिए गए दो सरकारी आदेश रद्द कर दिए। विपक्ष का आरोप था कि सरकार हिंदी को राज्य के लोगों पर थोपने की कोशिश कर रही है।मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अब भाषा फार्मूला लागू करने के लिए एक समिति बनाने की घोषणा की है। यह समिति तीन भाषा नीति पर विचार करेगी और अपनी सिफारिशें देगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि नरेंद्र जाधव समिति माशेलकर समिति की रिपोर्ट का अध्ययन करेगी।यह उन लोगों से भी बात करेगी जो इसका विरोध कर रहे हैं।इसके बाद यह तीन भाषा नीति को लागू करने पर अपनी सिफारिशें देगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि उनकी सरकार की नीति मराठी और मराठी छात्रों पर केंद्रित है।वे इस मुद्दे पर राजनीति नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा कि हमारी नीति मराठी केंद्रित और मराठी छात्र केंद्रित है।हम इस मुद्दे पर राजनीति नहीं करना चाहते।

क्यों लिया गया फैसला?

दरअसल महाराष्ट्र में स्कूली शिक्षा में कक्षा 1 से आगे की पढ़ाई में हिंदी भाषा को अनिवार्य करने के फैसले पर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। इस फैसले के खिलाफ शिवसेना ठाकरे गुट और मनसे पार्टी 5 जुलाई को महारैली निकालेगी। इसके अलावा कई पार्टियां भी इस फैसले का विरोध कर रही हैं। इसलिए अब महाराष्ट्र सरकार ने बड़ा फैसला किया है। विधान परिषद का मानसून सत्र कल यानी सोमवार से शुरू होगा। इस सत्र की पूर्व संध्या पर मुंबई के सह्याद्री गेस्ट हाउस में चाय समारोह का आयोजन किया गया। इसके बाद राज्य मंत्रिमंडल की बैठक हुई। कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस मौके पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की कि वह हिंदी भाषा को लेकर पहले लिए गए दोनों सरकारी फैसलों को वापस ले रहे हैं।

देवेंद्र फडणवीस ने क्या कहा?

देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हमारे लिए हिंदी का विषय मराठी का विषय है।हमने राज्य में मराठी को अनिवार्य कर दिया है।हमने तय किया है कि कोई भी भारतीय भाषा सीख सकता है।फिर भी, एक सोए हुए व्यक्ति को जगाया जा सकता है, लेकिन एक व्यक्ति जो सोने का नाटक करता है उसे नहीं जगाया जा सकता।हिंदी वैकल्पिक है।राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सबसे पहले कर्नाटक ने लागू किया था।

फास्ट ट्रैक

महाराष्ट्र में नर्स की लापरवाही, डोप्लर टेस्ट के दौरान अल्ट्रासाउंड जेल की जगह गर्भवती को लगाया एसिड, जला पेट

जालना के भोकरदन ग्रामीण अस्पताल में एक गर्भवती महिला के पेट पर डोप्लर टेस्ट के दौरान जलने के निशान पाए गए।आरोप है कि नर्स ने अल्ट्रासाउंड जेल की जगह गलती से कोई सफाई का केमिकल लगा दिया था।स्वास्थ्य विभाग ने जांच के आदेश दिए हैं और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

छत्रपति संभाजीनगर : जालना जिले के भोकरदन ग्रामीण अस्पताल में एक लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां एक गर्भवती महिला के पेट पर जलने के निशान पाए गए हैं। आरोप है कि डॉक्टर ने डोप्लर टेस्ट के दौरान अल्ट्रासाउंड जेल की जगह कोई सफाई का केमिकल लगा दिया था। मामला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया। इस घटना पर स्वास्थ्य विभाग ने जांच के आदेश दिए हैं।यह घटना तब हुई जब खापरखेड़ा वाडी गांव की एक महिला को डिलीवरी के लिए ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के सोनोग्राफी सेंटर में बच्चे की धड़कन की जांच के लिए डोप्लर टेस्ट किया जा रहा था।एसिड वाला केमिकल लगाने का आरोपआरोप है कि अस्पताल के कर्मचारियों ने जेल की जगह महिला के पेट पर कोई एसिड वाला केमिकल लगा दिया। इस केमिकल से महिला के पेट पर जलने के निशान आ गए। इससे महिला के रिश्तेदारों में गुस्सा है। वे लोग जिम्मेदार स्वास्थ्य कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।डॉक्टर ने बताया क्या हुआ थाजालना जिले के सिविल सर्जन राजेंद्र पाटिल ने इस घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मेडिकल सुपरिटेंडेंट से मिली जानकारी के अनुसार, महिला, जिसकी पहचान शीला भालेराव के रूप में हुई है। महिला तीसरी बार गर्भवती थी। उसने सुबह करीब 6.30 बजे बच्चे को जन्म दिया। डोप्लर टेस्ट के दौरान, एक नर्स ने गलती से जेल की जगह कोई केमिकल लगा दिया। शायद वह फिनाइल या आयोडीन था। इससे महिला के पेट पर हल्की जलन हो गई। इलाज किया गया है, और मां और बच्चा दोनों अभी ठीक हैं।जांच के लिए बनाई गई कमिटीराजेंद्र पाटिल ने इस मामले को गंभीरता से लिया। वे तुरंत ग्रामीण अस्पताल गए और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों की एक तीन सदस्यीय कमेटी बनाई गई है।यह कमेटी इस मामले की जांच करेगी।

महाराष्ट्र में लाडली बहना योजना की किस्त कब आएगी, एक साथ 3000 रुपए मिलने की क्या है चर्चा?

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र में लाडली बहना योजना में पात्र महिलाओं को हर महीने 1500 रुपए मिलते हैं।हालांकि जून महीने की किस्त महिलाओं के खातों में अभी तक जमा नहीं हुई है।जून खत्म होने में मात्र तीन दिन बचे हैं।लेकिन 1500 रुपए नहीं मिलने से महिलाओं में असमंजस की स्थिति है।जून महीना खत्म होने के बाद भी चर्चा है कि जून और जुलाई दोनों महीनों की किस्तें एक साथ जमा होंगी।क्योंकि अभी तक खातों में पैसा जमा नहीं हुआ है।हालांकि इस संबंध में सरकार की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। महिलाओं में दोनों किस्तें एक साथ जमा करने की चर्चादरअसल जून महीना खत्म होने के बाद भी लाडली बहना योजना की जून महीने की 1500 रुपए की किस्त अभी तक जमा नहीं हुई है।इससे पहले भी एक महीने में किस्त जमा नहीं हुई थी।उस समय पिछले और चालू महीने की दोनों किस्तें एक साथ दूसरे महीने में जमा कर दी गई थीं।इसलिए जून की किस्त अभी तक नहीं आने से महिलाओं में कयास लगाए जा रहे हैं कि इस बार भी पहले की तरह दोनों महीनों की किस्तें एक साथ आएंगी।

महाराष्ट्र के ठाणे में डिजिटल अरेस्ट के जरिये तीन करोड़ रुपये की ठगी का भंडाफोड़, तीन लोग गिरफ्तार

ठाणे साइबर पुलिस की गहन जांच में इस ठगी का संबंध एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह से पाया गया।पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने पीड़िता से वसूली गई रकम में से 82.46 लाख रुपये विदेश भेजे, जिसे अमेरिकी डॉलर में कथित तौर पर बदला गया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

महाराष्ट्र के ठाणे शहर में एक बुजुर्ग महिला को डिजिटल अरेस्ट कर तीन करोड़ रुपये से अधिक की ठगी करने के मामले में पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी गिरोह से कथित तौर पर जुड़े तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, 61 वर्षीय महिला को 13 अगस्त, 2024 को फोन आया और फोन करने वाले व्यक्ति ने खुद को कुरियर कंपनी का एक कर्मचारी बताया था। पुलिस ने बताया कि जालसाज ने दावा किया कि उसने महिला का एक पार्सल जब्त किया है, जिसमें एक लैपटॉप, 140 ग्राम एमडी (मादक पदार्थ) पाउडर, थाइलैंड का एक पासपोर्ट, तीन क्रेडिट कार्ड और चार किलोग्राम कपड़े हैं। पुलिस के अनुसार, इसके तुरंत बाद एक अन्य व्यक्ति ने फोन किया और महिला की पहचान सत्यापित करने के मकसद से खुद को केंद्रीय अन्वेषण अधिकारी (सीबीआई) का अधिकारी बताया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने कुछ फर्जी दस्तावेज दिखाए और महिला को डिजिटल अरेस्ट में रखकर उसे रुपये खाते में भेजने के लिए मजबूर किया। पुलिस ने एक विज्ञप्ति में बताया कि महिला ने बाद में दो अलग-अलग राष्ट्रीयकृत बैंकों के खातों में कुल 3.04 करोड़ रुपये भेजे। ठाणे के पुलिस उपायुक्त पराग मानेरे ने बताया, आरोपियों ने खुद को उच्च पदस्थ अधिकारी बताकर पीड़िता का भरोसा हासिल किया।पुलिस ने बताया कि इस संबंध में 13 सितंबर, 2024 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) (धोखाधड़ी), 316(5) (विश्वास का आपराधिक उल्लंघन), 336(3) (जालसाजी), 340(2) (फर्जी दस्तावेज को असली बताकर इस्तेमाल करना) और सूचना प्रौद्योगिकी कानून की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।ठाणे साइबर पुलिस की गहन जांच में इस ठगी का संबंध एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह से पाया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने पीड़िता से वसूली गई रकम में से 82.46 लाख रुपये विदेश भेजे, जिसे अमेरिकी डॉलर में कथित तौर पर बदला गया।विज्ञप्ति में बताया गया, जांच के आधार पर 19 जून को तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनकी पहचान मुंबई की श्री सत्कार पथपेढ़ी (सहकारी ऋण संस्था) के अध्यक्ष किशोर बंसीलाल जैन (63), वस्त्र और आभूषण कारोबार से जुड़े महेश पवन कोठारी (36) और कॉस्मेटिक व्यवसाय से जुड़े धवल संतोष भालेराव (26) के रूप में हुई है।मानेरे ने बताया, आरोपियों ने पीड़िता को भ्रमित करने के लिए पूरी कहानी बहुत सोच-समझकर गढ़ी थी।

मध्य रेल द्वारा यात्रियों से अलार्म, चेन पुलिंग का दुरुपयोग न करने की अपील

रेलवे ने उपनगरीय और मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में केवल आपातकालीन उद्देश्य के लिए अलार्म चेन पुलिंग (एसीपी) विकल्प उपलब्ध कराया है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

हाल ही में यह देखा गया है कि कई एसीपी मामले कई कारणों से होते हैं, जिसके लिए रेलवे अधिनियम के अनुसार मामले दर्ज किए जाते हैं।इसके कारणों में गलती से एसीपी चेन खींचना, समय पर ट्रेन में न चढ़ पाना, मोबाइल फोन गिर जाना और अन्य अनावश्यक कारण शामिल हैं।ट्रेन में एसीपी की वजह से न केवल प्रभावित ट्रेन में यात्रा कर रहे यात्रियों को बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से ट्रेनों के पीछे चल रहे यात्रियों को भी भारी नुकसान होता है।इसके अलावा एक या कुछ यात्रियों की सुविधा के लिए एसीपी का दुरुपयोग बड़ी संख्या में यात्रियों को असुविधा का कारण बनता है। दिनांक 01.06.2025 से 19.06.2025 की अवधि के दौरान, मध्य रेल पर 150 ट्रेनें एसीपी के कारण 10-15 मिनट तक रुकी रहीं, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान 98 ट्रेनें रुकी थीं, जो कि 53% की भारी वृद्धि है और कई अनुगामी ट्रेनों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा है। मुंबई मंडल पर, चूंकि यातायात में मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें और उपनगरीय ट्रेनें दोनों शामिल हैं, इसलिए इसका व्यापक प्रभाव पड़ा है, उपनगरीय ट्रेनें देरी से चलती हैं और स्टेशनों पर जिससे स्टेशनों पर यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। एसीपी के कारण रोकी गई ट्रेनों की संख्या का मंडलवार विवरण इस प्रकार हैः दिनांक 01.06.2025 से 19.06.2025 के दौरान भुसावल मंडल पर 26 मामले दर्ज किए गए, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान 13 मामले दर्ज किए गए थे दिनांक 01.06.2025 से 19.06.2025 के दौरान नागपुर मंडल पर 52 मामले दर्ज किए गए, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान 28 मामले दर्ज किए गए थे दिनांक 01.06.2025 से 19.06.2025 के दौरान मुंबई मंडल पर 57 मामले दर्ज किए गए, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान 41 मामले दर्ज किए गए थे मध्य रेल ऐसी अनुचित एसीपी घटनाओं पर कड़ी नजर रख रहा है। दिनांक 01.06.2025 से 20.06.2025 की अवधि के दौरान 666 एसीपी मामले दर्ज किए गए, जिसके कारण 463 यात्रियों पर मुकदमा चलाया गया और 1.70 लाख रुपये का जुमार्ना वसूला गया। मध्य रेल यात्रियों से अपील करता है कि वे अनावश्यक कारणों से एसीपी का सहारा न लें, जिससे दूसरों को असुविधा हो। अनावश्यक परिस्थितियों में एसीपी का सहारा लेना रेलवे अधिनियम की धारा 141 के तहत दंडनीय अपराध है।रेलवे यात्रियों से यह भी अपील करता है कि वे अपनी-अपनी ट्रेनों के प्रस्थान से पहले टर्मिनस/स्टेशन पर पहुंचें और सीमित सामान साथ लेकर चलें। यात्री बैटरी से चलने वाली गाड़ियों की सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं या स्टेशन प्रबंधक के कार्यालय में उपलब्ध व्हीलचेयर का उपयोग कर सकते हैं, ताकि वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांग व्यक्ति आदि आसानी से समय पर ट्रेनों में चढ़ सकें, जिससे उन्हें अनावश्यक कारणों से अलार्म चेन खींचने की आवश्यकता नहीं होगी।

महाराष्ट्र में लाउडस्पीकर पर सख्ती तो मुंबई में मस्जिदों ने लॉन्च किया ऑनलाइन अजान ऐप

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई की छह मस्जिदों ने ऑनलाइन अजान ऐप पर पंजीकरण कराया है।यह ऐप मुस्लिम समुदाय को अजान के समय की जानकारी देगा। लाउडस्पीकर पर पाबंदी के बाद यह कदम उठाया गया है।माहिम जुमा मस्जिद ने बताया कि ऐप नमाजियों तक अजान पहुंचाने में मददगार है। तमिलनाडु की एक कंपनी ने इसे बनाया है।

मुंबई : लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर लगे पाबंदियों के बाद मुंबई की छह मस्जिदों ने एक ऐसे मोबाइल फोन एप्लीकेशन पर पंजीकरण कराया है।यह मोबाइल ऐज मुस्लिम समुदाय के लोगों को अजान होने पर सूचित करता है। ऑनलाइन अजान नाम का यह ऐप तमिलनाडु की एक कंपनी ने तैयार किया है।माहिम जुमा मस्जिद के मुतवल्ली फहाद खलील पठान ने इस ऐप के बारे में बताया। उन्होंने कि नमाज के लिए लाउडस्पीकर के उपयोग से संबंधित पाबंदियों और संवेदनशीलताओं को देखते हुए मोबाइल ऐप स्थानीय मस्जिदों से सीधे नमाजियों तक अजान पहुंचाने में मदद करता है।मस्जिदों में लाउडस्पीकर बंद फहाद पठान ने बताया कि रमजान में और ऐसे समय में जब सार्वजनिक पाबंदियां रहती हैं, तब यह ऐप घर पर अजान सुनने में उपयोगकताओं की मदद करेगा। उन्होंने कहा कि यह पहल लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर पुलिस की सख्ती के बाद की गई है। पुलिस ने जुमा मस्जिद का दौरा कर चेतावनी दी थी लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर कार्रवाई हो सकती है। इसके कारण मस्जिद ने अस्थायी रूप से लाउडस्पीकर को बंद कर दिया है।

क्या बोले मस्जिद के मौलाना

फहाद ने कहा कि माहिम क्षेत्र में जुमा मस्जिद ने अजान की परंपरा को जारी रखने के लिए ऐप को अपनाया है। उन्होंने कहा कि खासतौर पर बुजुर्गों और आस-पास (मस्जिद) रहने वाले लोगों के लिए ऐसा किया गया है।

तमिलनाडु के कंपनी ने बनाया ऐप

इस ऐप को तमिलनाडु के तिरुनेलवेली के आईटी पेशेवरों की एक टीम के तकनीकी सहयोग से विकसित किया गया है और अब यह एंड्रॉइड डिवाइस और आईफोन पर उपलब्ध है। यह ऐप मोबाइल फोन के जरिए ठीक उसी समय अजान के सीधे प्रसारण का ऑडियो संचालित करता है जब मस्जिद से अजान दी जाती है।पठान ने कहा कि जो नमाजी लाउडस्पीकर पाबंदी के कारण अजान नहीं सुन सकते वे अब इस ऐप के जरिए निर्धारित समय पर इसे सुन सकते हैं।

ऐप में मुंबई की 6 मस्जिदों का रजिस्ट्रेशन

इस पहल की प्रशंसा करते हुए नमाजियों ने कहा कि लाउडस्पीकर बंद होने पर भी अब वे अपने मोबाइल फोन के जरिए अपनी नजदीकी मस्जिद की अजान सुन सकते हैं। पठान ने कहा कि हमने टकराव के बजाय नवाचार को चुना। अब मुस्लिम समुदाय के लोग अजान के समय से जुड़े रह सकते हैं। पिछले तीन दिन में ही हमारी मस्जिद के आस-पास रहने वाले 500 लोगों ने ऐप पर पंजीकरण कराया है।मुंबई में कुल छह मस्जिद ने ऐप में पंजीकरण कराया है।

मुंबई में लाउडस्पीकर का डेसिबल फिक्स

उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट करना महत्वपूर्ण है कि मुंबई उच्च न्यायालय ने लाउडस्पीकर हटाने का आदेश नहीं दिया है, बल्कि ध्वनि सीमा तय की है।दिन में 55 डेसिबल और रात में 45 डेसिबल। इसकी प्रतिक्रिया में और पुलिस के अनुरोध पर हमने स्वेच्छा से लाउडस्पीकर का उपयोग करना बंद कर दिया है

कुर्ला से एयरपोर्ट तक का सुपरफास्ट सफर, वकोला में दक्षिण एशिया का सबसे लंबा केबल स्टे ब्रिज तैयार

कुर्ला से आते हुए वकोला सांताक्रूज फ्लाईओवर वकोला सिग्नल हेड से सीधे पानबाई इंटरनेशनल स्कूल के पास एयरपोर्ट की ओर जाएगा।इससे कुर्ला से एयरपोर्ट तक का सफर बिना रुके, सिग्नल-फ्री और आसानी से पूरा हो जाएगा।यह सांताक्रूज चेंबूर लिंक रोड (एससीएलआर) परियोजना का हिस्सा है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में रहने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है। दक्षिण एशिया का सबसे लंबा केबल-स्टेड कर्व्ड ब्रिज वकोला में बनाया गया है। यह सांताक्रूज चेंबूर लिंक रोड (एससीएलआर) परियोजना का हिस्सा है। इस ब्रिज से कुर्ला से छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक बिना रुके आना-जाना हो सकेगा। कहा जा है कि यह ब्रिज न केवल ट्रैफिक की भीड़ का समाधान है, बल्कि मुंबई के लिए एक नया मील का पत्थर भी है।एससीएलआर का निर्माण पूर्वी उपनगरीय वाहनों को पश्चिमी उपनगरों में जाने में सुविधा प्रदान करने और बांद्रा-कुर्ला परिसर में भीड़भाड़ से बचने के लिए किया गया है। इसके अंतर्गत दो फ्लाईओवर हैं। एक बीकेसी क्षेत्र में और दूसरा कलिना और कुर्ला के बीच। हालांकि कलिना से एयरपोर्ट की ओर वेस्टर्न एक्सप्रेसवे पर ट्रैफिक जाम रहता है।इस भीड़भाड़ को दूर करने के लिए मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमएमआरडीए) की ओर से वकोला जंक्शन पर एक विशेष केबल-स्टेड ब्रिज बनाया गया है और अब इसका काम पूरा हो चुका है। कब खुलेगा ?एमएमआरडीए महानगर आयुक्त डॉ संजय मुखर्जी ने बीते दिनों इस पुल का दौरा किया। उन्होंने कहा कि इस नए पुल का काम अब अंतिम चरण में है और इसे जल्द ही लोगों की सेवा में लाया जाएगा। इस पुल को मानसून के दौरान सेवा में लाया जाएगा। यह पुल न केवल ट्रैफिक की भीड़ का समाधान है, बल्कि मुंबई के लिए एक नया मील का पत्थर भी है।

आदित्य ठाकरे का धारावी बचाओ आंदोलन का ऐलान, 10 जुलाई को रहवासियों संग सड़क पर उतरकर करेंगे चक्का जाम

धारावी पुनर्विकास परियोजना की जारी एनेक्स्चर रिपोर्ट के विरोध में धारावी बचाओ आंदोलन शुरू किया जाएगा।शिवसेना विधायक आदित्य ठाकरे ने आरोप लगाया है कि सरकार धारावी में अडानी नगर बसाना चाहती है।आरोप है कि जिसके तहत 75% निवासियों को अपात्र घोषित कर दिया गया है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : धारावी रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट (डीआरपी) की ओर से कुछ दिन पहले जारी की गई पहली एनेक्स्चर रिपोर्ट के खिलाफ धारावी बचाओ आंदोलन शुरू किया जाएगा। इसके तहत 10 जुलाई को चक्काजाम आंदोलन करने की घोषणा की गई है। यह आंदोलन धारावी के 90 फीट और 60 फीट रोड पर होगा। धारावी बचाव आंदोलन के समन्वयकों ने उद्धव गुट के शिवसेना विधायक आदित्य ठाकरे से मुलाकत की। इस दौरान आदित्य ने कहा, प्रोजेक्ट के नाम पर लोगों को अपात्र कर सरकार मुंबई में आदानी नगर बसाने की योजना पर काम कर रही है।75 फीसदी अपात्रडीआरपी की एनेक्स्चर रिपोर्ट से उनकी बात सच होने लगी है। आदित्य के अनुसार, पहली रिपोर्ट में 505 घरों में से केवल 101 घरों को ही योजना के लिए पात्र घोषित किया गया है। ऐसा कर डीआरपी ने पहली सूची में ही 75 फीसदी लोगों को अपात्र कर उनको धारावी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। इस दौरान आदित्य ने लोगों को अपने अधिकार के लिए आंदोलन के लिए तैयार रहने की बात कही।

मास्टर प्लान की कॉपी जलाकर दर्ज कराएंगे विरोधधारावी बचाओ आंदोलन के नेता बाबूराव माने के अनुसार, 10 जुलाई को प्रोजेक्ट के खिलाफ धारावी के 60 फीट और 90 फीट रोड पर चक्काजाम कर प्रोजेक्ट के मास्टर प्लान की कॉपी जलाकर विरोध दर्ज कराया जाएगा। माने के अनुसार, वर्षों से धारावी में रहने वाले नागरिकों को अपात्र कर डीआरपी लोगों को मुलुंड, कुर्ला, मालाड समेत अन्य जगह बसाने की साजिश रच रही है, ताकि धारावी की कीमती जमीन अदानी को दी जा सके।पिछले सप्ताह ऊफढ ने जारी की थी रिपोर्टडीआरपी ने पिछले सप्ताह 505 झोपड़ों की रिपोर्ट जारी की थी। इसमें 101 झोपड़ों को निःशुल्क पुनर्वास के लिए पात्र घोषित किया गया था, 56 झोपड़ों को शुल्क के साथ पात्र, 13 भूतल पर बने मकान (1 जनवरी 2000 से 1 जनवरी 2011 के बीच निर्मित) धारावी के बाहर मकान के लिए 2.5 लाख रुपये देकर पात्र, 59 मकान किफायती किराया आवास नीति के अंतर्गत पात्र घोषित किया है, जबकि 238 मकानों और 38 सुविधात्मक संरचनाओं की समीक्षा चल रही है।

भारत गौरव ट्रेन से दक्षिण भारत की दिव्य यात्रा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

जबलपुर ।दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों पर भ्रमण करने के उद्देश्य से चर्चित भारत गौरव एक्सप्रेस चलने का फैसला लिया गया है जो बिहार और झारखंड सहित अनेक राज्यों के लोगों को दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों तक ले जाएगी। भागलपुर स्टेशन से इस भारत गौरव एक्सप्रेस की शुरूआत होगी और 12 दिवसीय यात्रा के तहत यात्रियों को तिरुपति, रामेश्वर, मदुरई, कन्याकुमारी और मल्लिकार्जुन के दर्शन करवायेगी । आईआरसीटीसी की इस विशेष पर्यटक ट्रेन के द्वारा भक्तों को दक्षिण भारत के कुछ सबसे प्रतिष्ठित मंदिरों और पवित्र स्थानों पर दिव्य उपस्थिति का अनुभव करने और आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होगा। इस ट्रेन में भागलपुर, जसीडिह, मधुपुर, बराकर, धनबाद, बोकारो, मुरी, रांची, राउरकेला, झारसुगुडा, चाम्पा, बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग सहित कई बोर्डिंग और डिबोर्डिंग पॉइंट शामिल हैं। इस भारत गौरव ट्रेन में स्लीपर क्लास (इकोनॉमी) की 640 सीटों की व्यवस्था की गई है जबकि तृतीय वातानुकूलित श्रेणी में 70 सीटें हैं। भारत गौरव यात्रा की टिकट लेने वाले यात्रियों को रेल यात्रा के साथ-साथ सड़क यात्रा, भोजन (चाय, नाश्ता, लंच, डिनर), डबल/ट्रिपल शेयरिंग के आधार पर आरामदायक और साफ आवास (इकोनॉमी के लिए नॉन-एसी; स्टैंडर्ड और कम्फर्ट क्लास के लिए एसी),बसों द्वारा स्थानांतरण और दर्शनीय स्थलों की यात्रा, ऑनबोर्ड टूर एस्कॉर्ट, हाउसकीपिंग, सुरक्षा और पैरामेडिकल स्टाफ की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। यह यात्रा आराम और सुरक्षा के साथ कई तीर्थों के दर्शन और आध्यात्मिक पूर्ति प्राप्त करने का एक अद्वितीय मौका प्रदान करती है - वो भी किफायती कीमत पर।बिहार झारखंड और छत्तीसगढ़ राज्यों के जो लोग इस यात्रा के भागीदार बनना चाहते हैं वह आईआरसीटीसी के कोलकाता और रांची कार्यालय या अधिकृत एजेंटों) के माध्यम से भी बुकिंग कर सकते हैं।

शायर वली शमीमी का भिवंडी में किया गया सत्कार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , दारुस्सुरूर बुरहानपुर के वरिष्ठ एवं प्रख्यात शायर वली शमीमी के भिवंडी आगमन पर जिया-उर-रहमान अंसारी (प्रधानाचार्य, रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज) के घर पर बड़े ही धूमधाम से स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। प्रिन्सिपल जिया-उर-रहमान अंसारी ने मेहमान शायर वली शमीमी का उपहार, दोशाला और पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। इस अवसर पर शकील अहमद (बुरहानपुर), गजनफर सर, नदीम अहमद आजमी, अब्दुल अजीज अंसारी, मुख्लिस मदू, अंसार गुड्डु आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।ततपश्चात प्रख्यात शायर वली शमीमी ने अपनी चुनिंदा शायरी प्रस्तुत कीं। श्रोताओं ने उनकी शायरी की भरपूर सराहना की और करतल ध्वनि से उनकी प्रशंसा की। साहित्यिक नगरी भिवंडी के अरबाब-ए-जौक को यह सुनकर बहुत खुशी हुई कि वली शमीमी का काव्य संग्रह ह्यनगमात-ए-वलीह्नबहुत जल्द प्रकाशित होने वाला है।इस विशेष समारोह में भाग लेने वाले श्रोताओं ने अपनी उपस्थिति और प्रशंसा से समारोह को यादगार बना दिया।कार्यक्रम का समापन गजनफर सर के आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

नवी मुंबई मनपा को लगातार 11वीं बार वित्तीय मजबूती के लिए डबल ए प्लस स्टेबल राष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग मिली

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

नवी मुंबई , राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त वित्तीय संस्था इंडिया रेटिंग एंड रिसर्च (फिच) द्वारा हर साल विभिन्न संस्थाओं की क्रेडिट रेटिंग की घोषणा की जाती है। पिछले 10 वर्षों की तरह इस वर्ष भी नवी मुंबई मनपा को वर्ष 2024-25 के लिए सर्वश्रेष्ठ क्रेडिट रेटिंग इंडिया डबल ए प्लस स्टेबल घोषित की गई है। इस प्रकार, नवी मुंबई देश की एकमात्र मनपा है जिसे लगातार 11 वर्षों तक वित्तीय मजबूती के लिए डबल ए प्लस रेटिंग मिली है। नवी मुंबई मनपा, जो देश के अग्रणी रहने योग्य शहरों में से एक है, ने अपने नागरिकों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता पर पूरा ध्यान देकर हमेशा एक दूरदर्शी दृष्टिकोण बनाए रखा है। इसने राजस्व संग्रह और व्यय के मामलों पर भी सख्त ध्यान दिया है। मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे आय-व्यय के बीच उचित संतुलन बनाए रखने पर पूरा ध्यान दे रहे हैं और उन्हें मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी सत्यवान उबाले के नियंत्रण में पूरे लेखा विभाग से उचित सहयोग मिल रहा है। यही कारण है कि इस वर्ष भी यह सर्वश्रेष्ठ वित्तीय क्रेडिट रेटिंग हासिल की गई है। लगातार ऐसी क्रेडिट रेटिंग प्राप्त करना नवी मुंबई के सभी नागरिकों के लिए गर्व की बात है और मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने इस रेटिंग पर संतोष व्यक्त किया है। पिछले वित्तीय वर्ष में कर संग्रह के अच्छे प्रदर्शन के कारण नवी मुंबई मनपा की वित्तीय स्थिति मजबूत बनी हुई है। इस अवधि के दौरान संपत्ति कर के बकायादारों को राहत देने वाली मालमत्ता कर अभय योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया गया। इसे नागरिकों से भी अच्छी प्रतिक्रिया मिली। संपत्ति कर विभाग ने अब तक का सबसे अधिक 26 करोड़ से अधिक का कर संग्रह किया। अन्य विभागों ने भी अपना शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा किया। चूंकि विभिन्न करों के माध्यम से प्राप्त निधियों से नागरिक सेवाएं प्रदान की जा रही हैं, इसलिए नवी मुंबई के नागरिकों को बेहतर गुणवत्ता वाली सुविधाएं प्रदान करना संभव हो पाया है। नवी मुंबई मनपा ने स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण और मेरी वसुंधरा अभियान में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। महानगरपालिका की वित्तीय योजना पर मनपा आयुक्त द्वारा कड़ी निगरानी रखी जा रही है। कर संग्रह में अच्छा प्रदर्शन और नागरिक सुविधाओं के सही पहलुओं पर ही खर्च करने की उपयुक्त नीति अपनाकर, साथ ही ई-गवर्नेंस के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ ई-ऑफिस प्रणाली लागू करके काम में गति के साथ पारदर्शिता लाई गई है। लेखा विभाग के माध्यम से होस्ट टू होस्ट प्रणाली के माध्यम से भुगतान और राशि का भुगतान किया जा रहा है और मनपा का कोई भी भुगतान सीधे आपूर्तिकर्ता के बैंक खाते में जमा किया जा रहा है। इससे न केवल काम में पारदर्शिता आई है, बल्कि काम भी कागज रहित और तेज हो गया है।

फास्ट ट्रैक

पुवायां में अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, मौत

युवक की गई जान, सीसीटीवी से वाहन की तलाश जारी

शाहजहांपुर , खुटार क्षेत्र में एक सड़क हादसे ने एक परिवार को झकझोर कर रख दिया। चमराबोझी गांव के 25 वर्षीय अरविंद कुमार की शनिवार रात को एक अज्ञात वाहन से टक्कर में मौत हो गई। अरविंद अपनी बुआ के घर पुवायां के गांव रहदेवा गया था। वह बाइक से घर लौट रहा था। बितौनी के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। थाना प्रभारी रवि करन सिंह पुलिस टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। घायल अरविंद को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुवायां ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान में जुटी है। थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। घटना की सूचना मिलते ही परिजन सीएचसी पहुंच गए।

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव

झारखंड के युवक की हुई पहचान, जांच में जुटी पुलिस

मिर्जापुर, न्यू डगमगपुर और पहाड़ा रेलवे स्टेशन के बीच डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) की अप लाइन पर एक युवक का शव मिला। इस घटना की सूचना मिलते ही पड़री थाना प्रभारी दया शंकर ओझा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान झारखंड के सरायकेला खरसावां जिले के ईचागढ़ निवासी जयराम महतो के रूप में हुई है। जयराम 24 वर्ष के थे और अनिल चंद्र महतो के पुत्र थे। वह सलगाडीह, पोस्ट चिपड़ी के रहने वाले थे। पुलिस प्रारंभिक जांच में मान रही है कि यह ट्रेन दुर्घटना का मामला हो सकता है। हालांकि, युवक किन परिस्थितियों में ट्रैक पर पहुंचा, इसकी जांच जारी है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मामले की गहन जांच की जा रही है। मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। मौत का सटीक कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

प्रयागराज-सिंगरौली मार्ग पर जलभराव

मिर्जापुर के हथेड़ा गांव में तीन फीट पानी, नाली पर अतिक्रमण से समस्या

मिर्जापुर, हलिया ड्रमंडगंज मार्ग स्थित हथेड़ा गांव में पिछले एक सप्ताह से 200 मीटर लंबा जलभराव है। प्रयागराज से हलिया होते हुए सिंगरौली जाने वाली इस सड़क पर तीन फीट गहरा पानी भर गया है। स्थिति की गंभीरता का मुख्य कारण जल निकासी की उचित व्यवस्था का अभाव है। सड़क पर बनी पुलिया के पास की नाली को स्थानीय लोगों ने पाट कर उस पर मकान बना लिए हैं।

ठाणे में मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता प्रकोष्ठ के शिविर को मिली स्वतःस्फूर्त प्रतिक्रिया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , मुख्यमंत्री सचिवालय और मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता प्रकोष्ठ के समन्वय से मानपाडा में आयोजित निःशुल्क सामुदायिक स्वास्थ्य शिविर को मरीजों की ओर से स्वतःस्फूर्त प्रतिक्रिया मिली। इस शिविर में मरीजों की निःशुल्क जांच की जाएगी और आवश्यक सर्जरी भी निःशुल्क की जाएगी।मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की संकल्पना पर मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है और इस प्रकोष्ठ द्वारा ठाणे में विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी के तहत आज मानपाडा में शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में भाजपा विधायक संजय केलकर, विधायक निरंजन डावखरे, जिला अध्यक्ष संदीप लेले, पूर्व गटनेता मनोहर डुंबरे, अर्चना मनेरा, स्नेहा आम्ब्रे, शहर उपाध्यक्ष रमेश आम्ब्रे, भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष सूरज दलवी, महिला मोर्चा शहर अध्यक्ष स्नेहा पाटिल, कोंकण ग्रेजुएट सेल संयोजक सचिन मोरे, राम ठाकुर, भाजपा मानपाड़ा मंडल अध्यक्ष जितेंद्र माढवी, ब्रह्माण्ड-बालकम मंडल अध्यक्ष नीलेश पाटिल, कासार वडवली मंडल अध्यक्ष ज्योति ठाकुर, महेश ताजने, अपर्णा ताजने, अर्चना पाटिल आदि उपस्थित थे। इस शिविर में हृदय रोग, किडनी, कान, नाक व आंख, दांत, रीढ़, हड्डी, मधुमेह, कैंसर, शिशु रोग व अन्य रोगों के विशेषज्ञ व सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों द्वारा मरीजों की जांच की गई। साथ ही कई मरीजों को निशुल्क रक्त, ईसीजी, मेमोग्राफी व कैंसर की जांच की गई। जरूरतमंद मरीजों को मुख्यमंत्री कोष से सर्जरी के लिए मदद की जाएगी। साथ ही निशुल्क आयुष्मान भारत कार्ड के लिए रजिस्ट्रेशन किया गया। इस शिविर के लिए भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने सहयोग किया।

ई-ट्रैक्टर किसानों के जीवन में क्रांति लाएगा : प्रताप सरनाईक

देश का पहला ई-ट्रैक्टर ठाणे में हुआ पंजीकृत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि पर्यावरण के अनुकूल और पैसे बचाने वाला ई-ट्रैक्टर कृषि क्षेत्र में क्रांति लाएगा। वे ठाणे क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में देश के पहले ई-ट्रैक्टर का पंजीकरण करते हुए बोल रहे थे। इस अवसर पर ठाणे क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी हेमांगिनी पाटिल, ई-ट्रैक्टर बनाने वाली एटोनेक्स कंपनी के सीईओ कौस्तुभ धोंडे और सेल्स मैनेजर अभिषेक शिंदे मौजूद थे। मंत्री सरनाईक ने कहा कि सरकार की नीति है कि 2030 तक सड़क पर कुल वाहनों की संख्या का 20 से 30 प्रतिशत इलेक्ट्रिक होना चाहिए। इसके अनुसार सरकार ने ई-वाहनों की खरीद पर टोल माफी और प्रत्यक्ष सब्सिडी देने की योजना बनाई है। इससे ई-ट्रैक्टर खरीदने वाले किसानों को लाभ होगा। साथ ही, स्वर्गीय अन्नासाहेब पाटिल आर्थिक विकास निगम के माध्यम से उन्हें ई-ट्रैक्टर खरीदने के लिए ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा सकता है। इसके साथ ही, ई-ट्रैक्टर की रखरखाव और मरम्मत की लागत अन्य डीजल ट्रैक्टरों की तुलना में लगभग शून्य है। साथ ही, उपयोग के दौरान खपत होने वाली बिजली की लागत डीजल ईंधन की तुलना में 60 से 70 प्रतिशत कम हो जाएगी। इसलिए, ई-ट्रैक्टर भविष्य में किसानों की ₹कीमिया₹ बन जाएंगे। अक्षय

प्रौद्योगिकी पर आधारित कंपनी ऑटोनेक्स्ट ने भारत का पहला स्वदेशी रूप से निर्मित ई-ट्रैक्टर बाजार में सफलतापूर्वक लॉन्च किया है। आज, इस ट्रैक्टर का पहला आधिकारिक वाहन पंजीकरण समारोह ठाणे में क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में आयोजित किया गया था।महाराष्ट्र राज्य इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2025 के तहत ऑटोनेक्स्ट कंपनी को ई-ट्रैक्टर की खरीद पर 1.5 लाख रुपये तक की सब्सिडी मिलेगी। ई-ट्रैक्टर का उपयोग मुख्य रूप से कृषि कार्य के लिए किया जाएगा। 1 एकड़ की जुताई के लिए ई-ट्रैक्टर की लागत मात्र 300 रुपये है। वहीं डीजल ट्रैक्टर की लागत 1200 से 1500 रुपये है। इसलिए रखरखाव लागत में बचत के साथ-साथ ई-ट्रैक्टर किसानों को दैनिक उपयोग में काफी पैसे बचा सकता है।

विधायक संजय केलकर की पहल पर 15 स्थानों पर निःशुल्क नोटबुक वितरित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ठाणे के जनसेवक विधायक संजय केलकर की पहल पर गरीब और जरूरतमंद विद्यार्थियों को निःशुल्क नोटबुक वितरित की जा रही है। पिछले 20 वर्षों से विधायक केलकर यह सराहनीय पहल कर रहे हैं। इसके अलावा उनके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में भी विद्यार्थियों को निःशुल्क नोटबुक वितरित की जा रही है। निःशुल्क नोटबुक वितरण का भव्य कार्यक्रम ठाणे के नौपाड़ा, चंदनवाड़ी, मनोरमा नगर, ढोकाली, राबोडी, धर्मवीर नगर, महागिरी जैसे 15 अलग-अलग स्थानों पर लगातार तीन दिनों तक आयोजित किया जाएगा। करीब चौदह हजार नोटबुक वितरित की जाएंगी। किसी भी विद्यार्थी की पढ़ाई बाधित न हो, इस उद्देश्य से वे निःशुल्क नोटबुक वितरित कर रहे हैं। नौपाड़ा क्षेत्र में पंढरीनाथ पवार और चंदनवाड़ी में संतोष सालुंखे विधायक ने केलकर द्वारा और विधायक निरंजन डावखरे की उपस्थिति में निशुल्क नोटबुक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। चंदनवाड़ी में नोटबुक वितरण कार्यक्रम में भाजपा ठाणे शहर जिला अध्यक्ष संदीप लेले, परिवहन सदस्य विकास पाटिल और पूर्व वरिष्ठ नगर सेवक नारायण पवार आदि मौजूद थे।

ऑनलाइन ठगी का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

सरकारी योजनाओं का लालच देकर खाता खुलवाता करता था फ्रॉड

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मिर्जापुर, साइबर क्राइम थाना मिर्जापुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने लाखों रुपए की ऑनलाइन ठगी करने वाले एक संगठित साइबर ठग गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए एक शातिर आरोपी सत्यम पाठक को गिरफ्तार किया है। गिरोह देशभर में अलग-अलग राज्यों में फैले नेटवर्क के जरिए भोले-भाले लोगों को ठगी का शिकार बना रहा था। पुलिस के अनुसार आरोपी सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर लोगों को प्रलोभन देकर उनके नाम से बैंक खाते खुलवाता था। पीड़ितों से सभी दस्तावेज ले लिए जाते थे और बदले में कुछ पैसे दिए जाते थे। बाद में उन खातों का इस्तेमाल कर गिरोह रोजाना लाखों रुपये की ऑनलाइन ठगी करता था।गिरफ्तार आरोपी की पहचान सत्यम पाठक पुत्र विनोद पाठक, निवासी कम्हारी कोटवा, थाना पड़री के रूप में हुई है।

जगन्नाथ महोत्सव में भक्तों का उमड़ा जनसैलाब

मिर्जापुर के श्री ठाकुर राम कुमार मंदिर में हुआ भंडारा, कथा सुनाई गई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मिर्जापुर, गजिया टोला नारघाट स्थित श्री ठाकुर राम कुमार मंदिर में जगन्नाथ रथयात्रा के बाद विशेष आयोजन हुआ। आचार्य सुशील दवे ने वेद मंत्रों के साथ पूजन-हवन कराया। भगवान को भोग अर्पित करने के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। मंदिर को उत्सव के अवसर पर आकर्षक तरीके से सजाया गया। श्री विष्णु सहस्त्रनाम जप के साथ पूजन-अर्चना संपन्न हुआ। मृत्युंजयानन्द महाराज ने जगन्नाथजी की कथा सुनाई और भजन प्रस्तुत किए। भंडारे में भक्तों ने चावल, कड़ी, खीर, कचौड़ी, सब्जी और मिठाई का प्रसाद ग्रहण किया। संस्था ने रथयात्रा में विशेष सहयोग करने वालों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्याम सुन्दर केशरी और जिला पंचायत अध्यक्ष राजू कन्नौजिया समेत कई गणमान्य लोग शामिल हुए। ट्रस्टी अध्यक्ष श्याम बिहारी खण्डेलवाल, राकेश गुप्ता और ललित मोहन खण्डेलवाल ने रथयात्रा प्रभारी बृजेश गुप्ता और प्रबंध समिति के संयोजक राहुल चन्द्र जैन का विशेष सम्मान किया।

मां के नाम पेड़ लगाने का अभियान

शाहजहांपुर में सांसद ने किया पौधरोपण, बोले-पेड़ मां की तरह अगली पीढ़ी को पोषण और सुरक्षा देते हैं

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, वार्ड नंबर 6 अजीजगंज में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। भाजपा सांसद अरुण सागर ने पार्षदों के साथ मिलकर पेड़ लगाए। उन्होंने कहा कि पेड़ों का जीवन में विशेष योगदान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर इस अभियान की शुरूआत की। उन्होंने नई दिल्ली के बुद्ध जयंती पार्क में पीपल का पौधा लगाया। यह अभियान पर्यावरण संरक्षण और मातृ सम्मान को जोड़ता है। सांसद अरुण सागर ने बताया कि भारत ने पिछले दशक में वन क्षेत्र बढ़ाया है। यह अभियान देश के सतत विकास से जुड़ा है। मां के नाम पर पेड़ लगाने से दो लक्ष्य पूरे होते हैं। पहला, माताओं का सम्मान और दूसरा, पर्यावरण संरक्षण। पेड़ मां की तरह अगली पीढ़ी को पोषण और सुरक्षा देते हैं। इस अभियान से लोग अपनी माताओं की याद में स्थायी स्मृति बना सकते हैं। साथ ही पर्यावरण की रक्षा में भी अपना योगदान दे सकते हैं।

नौकरी का झांसा देकर दंपति से ठगी

शाहजहांपुर में पिता-पुत्रों ने फर्जी नियुक्ति पत्र देकर 9 लाख रुपये हड़पे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, जलालाबाद में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर एक दंपति से 9 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित अभिषेक प्रताप राठौर ने तीन लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। अभिषेक ने बताया कि वह 2023 में शाहजहांपुर डिपो में संविदा परिचालक था। वहीं उसकी मुलाकात प्रदीप द्विवेदी से हुई। नौकरी छोड़ने के बाद अभिषेक ने अपने भाई और पत्नी के लिए सरकारी नौकरी की तलाश शुरू की। प्रदीप द्विवेदी ने अपने बेटों विशाल और करन के साथ मिलकर काकोरी शहीद इंटर कॉलेज जलालाबाद में कनिष्ठ लिपिक की नौकरी दिलाने का वादा किया। आरोपियों ने कहा कि पैसे अधिकारियों को रिश्वत के रूप में दिए जाएंगे। तीनों आरोपियों ने अलग-अलग किश्तों में पीड़ित से 9 लाख रुपये ले लिए। उन्होंने नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र भी दिया। लेकिन जब भाई और पत्नी ने कार्यभार ग्रहण करने की कोशिश की, तो पता चला कि नियुक्ति पत्र फर्जी हैं। पीड़ित ने पुलिस क्षेत्राधिकारी जलालाबाद को शिकायती पत्र सौंपा है।

आरोपी प्रदीप द्विवेदी उर्फ बब्लू, विशाल द्विवेदी और करन द्विवेदी अंटा चौराहा शाहजहांपुर के शेखर हॉस्पिटल के पास रहते हैं। इनका मूल निवास ग्राम ठिगंरी, थाना अल्हागंज जलालाबाद शाहजहांपुर है।

दानवीर भामाशाह जयंती पर व्यापारी कल्याण दिवस पर वैश्य महासम्मेलन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मिर्जापुर, अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन द्वारा कृष्णा पैलेस में व्यापारी कल्याण दिवस और दानवीर भामाशाह जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भामाशाह के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। मुख्य अतिथि काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. गुरुप्रसाद सिंह ने वैश्य समाज की दानवीर परंपरा को याद किया।

उन्होंने कहा कि भामाशाह द्वारा महाराणा प्रताप को दिया गया दान देशप्रेम का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि देश भर में वैश्य समाज द्वारा स्थापित धर्मशालाएं, स्कूल और मंदिर मिलेंगे। पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी ने कहा कि भामाशाह का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने महापुरुषों को जाति से ऊपर बताते हुए आने वाली पीढ़ियों के लिए ऐसी संगोष्ठियों के आयोजन पर जोर दिया।

जिला पंचायत अध्यक्ष राजू कनौजिया ने भामाशाह के समर्पण और त्याग को अनुकरणीय बताया। प्रदेश महामंत्री शैलेन्द्र अग्रहरि ने व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में भामाशाह जयंती मनाने को गौरव का विषय बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ व्यापारी अशोक केशरवानी ने की। संचालन मुकेश साहू ने किया।

जिलाध्यक्ष ताराचंद आग्रहरि ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में संजय सिंह गहरवार, शत्रुघ्न केशरी, अजय मिश्रा, डॉ धर्मजीत सिंह समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण (भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

आसिम मुनीर बोले- पाकिस्तान शांति बनाए रखने वाला जिम्मेदार देश

पाकिस्तानी आर्मी चीफ का आरोप- भारत ने दो बार बिना उकसावे के हमला किया

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने कहा है कि भारत ने बिना किसी उकसावे के दो बार हमला किया। आसिम मुनीर ने शनिवार को कराची में पाकिस्तान नौसेना एकेडमी में अपनी स्पीच में भारत पर जानबूझकर तनाव पैदा करने का आरोप लगाया। आसिम मुनीर ने कहा, 'पिछले कुछ सालों में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ दो बार बिना उकसावे के हमला किया। पाकिस्तान ने दोनों बार संयम और परिपक्वता का परिचय दिया और क्षेत्रीय सुरक्षा के प्रति अपनी जवाबदेही दिखाकर खुद को शांति बनाए रखने वाले जिम्मेदार देश के रूप में साबित किया है।' मुनीर ने कश्मीर मुद्दे पर कहा, 'पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों के संकल्प के मुताबिक कश्मीर मुद्दे का समाधान चाहता है।' पाक आर्मी चीफ ने कश्मीर में स्थायी शांति के लिए न्यायपूर्ण और शांतिपूर्ण समाधान की मांग की। मुनीर ने कहा था- कश्मीर इस्लामाबाद की गले की नस

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को पाकिस्तान समर्थित आतंकी हमलों से कुछ दिन पहले, मुनीर ने कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा बताते हुए भारतीय क्षेत्र को इस्लामाबाद की गले की नस बताया था। मुनीर ने विदेश में रह रहे पाकिस्तानी प्रवासियों को संबोधित करते हुए 17 अप्रैल को कहा था, 'कश्मीर हमारी गले की नस है, यह हमारी गले की नस रहेगी, हम इसे नहीं भूलेंगे।' मुनीर की इस टिप्पणी के एक हफ्ते बाद आतंकवादियों ने कश्मीर के पहलगाम में 26 पर्यटकों की हत्या कर दी। जवाब में, भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया। इसमें भारतीय सेना ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। इसमें 100 आतंकी मारे गए थे। दोनों देशों के बीच 10 मई को सीजफायर पर सहमति बनी थी। ऑपरेशन सिंदूर में तबाह आतंकी कैंप्स फिर बना रहा पाकिस्तान पाकिस्तानी सेना और सरकार मिलकर भारत के ऑपरेशन सिंदूर में तबाह हुए आतंकी ठिकानों और ट्रेनिंग कैंप्स को फिर से बना रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तानी सेना की मदद से आतंकी संगठन अब लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पास घने जंगलों में छोटे और हाई-टेक ट्रेनिंग कैंप बना रहे हैं। इनका मकसद भारतीय सेना की निगरानी और हवाई हमलों से बचना है। ये कैंप्स लुनी, पुटवाल, ताइपु पोस्ट, जमीला पोस्ट, उमरनवाली, चप्रार, फॉरवर्ड कहुटा, छोटा चक और जंगलोरा जैसे इलाकों में बनाए जा रहे हैं। इनमें थर्मल इमेजर, जंगल में निगरानी करने वाले रडार और सैटेलाइट को चकमा देने वाली तकनीकों का इस्तेमाल हो रहा है। पाकिस्तान पीओके में फिर से 13 लॉन्चपैड डेवलप कर रहा है। इनमें केल, शारदी, दुधनियाल, अथमुकाम, जुरा, लीपा वैली, पचिबन चमन, तंदपानी, नैयाली, जानकोट, चकोटी, निकैल और फॉरवर्ड कहुटा शामिल हैं। इसके अलावा, जम्मू सेक्टर की इंटरनेशनल बॉर्डर पर मसरूर बड़ा भाई, चप्रार, लुनी और शकरगढ़ में चार लॉन्चपैड बना रहे हैं। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान और पीओके में मौजूद कई आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था। मुनीर ने तबाह अड्डों को 11 दिन में ठीक करने को कहा था पाक आर्मी चीफ मुनीर ने एक हफ्ते पहले मरकज सुब्हान अल्लाह परिसर, बिलाल मस्जिद, उम्मुल कुर्रा, जामिया दावा इस्लामी मदरसा व भारतीय हमलों में तबाह हुए अन्य आतंकी ठिकानों को रिपेयर करने की डेडलाइन 31 जून तय की थी।

पाकिस्तान ने भारत पर सुसाइड बम अटैक का आरोप लगाया

इसमें 13 सैनिक मारे गए थे; भारतीय विदेश मंत्रालय ने आरोपों को खारिज किया

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में सैन्य काफिले पर सुसाइड बम अटैक का आरोप भारत पर लगाया है। इसमें 13 सैनिकों की मौत हुई थी। भारत ने पाकिस्तान के आरोपों का खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर कहा, 'हमने पाकिस्तानी सेना का एक ऑफिशियल बयान देखा है, जिसमें 28 जून को वजीरिस्तान पर हुए हमले के लिए भारत को दोषी ठहराया गया है। हम इस बयान को पूरी अवमानना के साथ खारिज करते हैं, जो इसी के लायक है।' वजीरिस्तान में शनिवार को

एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदी गाड़ी सैन्य काफिले में घुसा दी थी। इसके बाद जोरदार धमाका हुआ। इसमें 13 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। जबकि 10 सैनिक और 19 नागरिक घायल हो गए। खैबर पख्तूनख्वा में तैनात एक पुलिस अधिकारी ने न्यूज एजेंसी एएफपी को बताया कि धमाका इतना जोरदार था कि दो घरों की छतें गिर गईं, जिससे छह बच्चे घायल हो गए। इस बम विस्फोट की जिम्मेदारी पाकिस्तान-तालिबान (टी.टी.पी) से जुड़े हाफिज गुल बहादुर ग्रुप ने ली थी। खैबर प्रांत को टी.टी.पी का गढ़ माना जाता है। तीन दिन पहले टी.टी.पी हमले में 2 आर्मी अफसरों की मौत आतंकी संगठन टी.टी.पी ने 24 जून को दक्षिणी वजीरिस्तान में पाकिस्तानी आर्मी पर हमला किया था, जिसमें 2 आर्मी अफसर मारे गए। इनमें से एक पाकिस्तानी कमांडर मोइज अब्बास भी था, जिसने भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को पकड़ा था। बालाकोट में एयर स्ट्राइक के अगले दिन 27 फरवरी को पाकिस्तानी वायुसेना ने भारतीय सीमा में दाखिल होने की कोशिश की थी। जवाब में भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन चलाया था। तब विंग कमांडर अभिनंदन ने मिग-21 बाइसन फाइटर जेट से पाकिस्तान के एफ-16 फाइटर जेट को मार गिराया था। हालांकि उनका विमान पाकिस्तानी सीमा में गिर गया था। पाकिस्तानी आर्मी ने अभिनंदन को कैद कर लिया था। क्या है टी.टी.पी? साल 2002 में अमेरिकी सेना ने 9/11 आतंकी हमले का बदला लेने अफगानिस्तान में धावा बोला था। अफगानिस्तान में अमेरिकी कार्रवाई के डर से कई आतंकी पाकिस्तान के कबाइली इलाके में छिप गए।

रूस ने यूक्रेन का एफ-16 फाइटर जेट मार गिराया

पायलट की भी मौत; 7 रूसी मिसाइलें तबाह कीं, अगला टारगेट हिट करते वक्त सिस्टम खराब

एजेंसी

कीव / मॉस्को, रूस ने रविवार रात को यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया। रूस ने 477 ड्रोन और 60 मिसाइलें दागीं। रूस ने एम/केएन-23 बैलिस्टिक मिसाइल, क्रूज मिसाइलों से हमला किया। हालांकि यूक्रेनी वायु सेना ने इनमें से 475 हमलों को रोक दिया। यूक्रेन की डिफेंस मिनिस्ट्री ने सोशल मीडिया पोस्ट कर यह जानकारी दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस हमले के दौरान एक मिसाइल ने यूक्रेन के एफ-16 फाइटर जेट को मार गिराया। यूक्रेन ने बताया कि हमले में फाइटर जेट के पायलट मक्सिम उस्तीमेन्को की मौत हो गई। रूसी हमलों में रिहायशी इलाकों को नुकसान पहुंचा और 12 लोग घायल हो गए। यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि पायलट ने रूसी हमले के दौरान 7 मिसाइलों को मार गिराया, लेकिन आखिरी टारगेट हिट करते वक्त उनके विमान में दिक्कत आ गई। पायलट एफ-16 को आबादी वाले क्षेत्र से दूर ले गया, लेकिन वह समय पर विमान से बाहर नहीं निकल सका। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस के हवाई हमले के बाद अमेरिका और पश्चिमी सहयोगियों से तत्काल मदद की अपील की है। जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा, ह्लरूस ने घरों को निशाना बनाया। स्मिला में एक रिहायशी इमारत पर भी हमला हुआ, जिसमें एक बच्चा घायल हुआ।ह्व जेलेंस्की ने अमेरिका से पैट्रियट मिसाइल सिस्टम खरीदने की

मांग की है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अभी तक यूक्रेन के लिए नई सैन्य मदद को मंजूरी नहीं दी है, लेकिन हाल ही में नाटो शिखर सम्मेलन में जेलेंस्की से मुलाकात के बाद उन्होंने इस अनुरोध पर विचार करने की बात कही थी। इससे पहले यूक्रेन ने 28 जून की सुबह रूस के कब्जे वाले क्रीमिया के किरोव्स्के एयरबेस पर हमला करने का दावा किया था। कीव इंडिपेंडेंट के मुताबिक इस हमले में रूस के हेलिकॉप्टर और एक पैंटसिर-एस1 एयर सेफ्टी सिस्टम तबाह हो गया। यूक्रेनी सुरक्षा सर्विस (एसबीयू) ने कहा कि यूक्रेन ने रूसी विमानों, हवाई रक्षा प्रणालियों, हथियारों और ड्रोन भंडार को निशाना बनाया। हालांकि रूस ने इसकी पुष्टि नहीं की है। ये हमले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के 27 जून को दिए गए बयान के बाद हुए थे जिसमें उन्होंने कहा था कि मास्को इस्तांबुल में शांति वार्ता के नए दौर के लिए तैयार है। हालांकि युद्ध के थमने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं क्योंकि बातचीत में अब तक कोई सफलता नहीं मिली है। इस्तांबुल में रूसी और यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडलों के बीच हाल ही में हुई दो दौर की वार्ता असफल रही है और किसी समझौते पर पहुंचने में कोई प्रगति नहीं हुई। फरवरी 2022- रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के हमले का ऐलान करते ही यूक्रेन में रूसी टैंक धड़धड़ाते हुए घुसने लगे। तब के अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बोले- पुतिन से बातचीत का कोई प्लान नहीं है। उन्होंने पूरी दुनिया को खतरे में डाल दिया है। रूस को यूक्रेन पर हमले की गंभीर कीमत चुकानी होगी। फरवरी 2025- अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पुतिन से फोन पर 90 मिनट तक बात की। इसके बाद सऊदी अरब में यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस और अमेरिकी के बीच हाई लेवल मीटिंग हुई। इसमें यूक्रेन को नहीं रखा गया। ट्रम्प ने पुतिन की तारीफ की और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को तानाशाह कह दिया।

ईरान के पास एटम बम बनाने के लिए यूरेनियम मौजूद

यूएन एजेंसी बोली- न्यूक्लियर प्रोग्राम शुरू कर सकता है; अमेरिका बोला- परमाणु ठिकाना तबाह किया

एजेंसी

तेहरान, यूएन की इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) ने रविवार को कहा कि ईरान कुछ महीनों में अपना न्यूक्लियर प्रोग्राम फिर से शुरू कर सकता है। आईएईए डायरेक्टर राफेल ग्रॉसी ने एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि ईरान की कुछ न्यूक्लियर फैसिलिटी अभी भी बची हुई हैं। इजराइल ने 13 जून को ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों पर हमले शुरू किए थे। बाद में अमेरिकी ने बी-2 बॉम्बर से हमला कर

ईरान के फोर्डो, नतांज और इस्फहान न्यूक्लियर साइट्स को तबाह करने का दावा किया था। हमलों के बाद ईरान ने आईएईए को फोर्डो न्यूक्लियर साइट की जांच करने से रोक दिया था। ईरान ने आईएईए से अपनी साझेदारी तोड़ ली है। ग्रॉसी ने कहा कि यह जानना जरूरी है कि न्यूक्लियर साइट्स पर क्या है और क्या हुआ था। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को चेतावनी दी है कि वे ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल बंद करें। अराघची ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ट्रम्प का यह रवैया न सिर्फ खामेनेई का, बल्कि उनके लाखों समर्थकों का भी अपमान करता है। ट्रम्प अगर ईरान से कोई समझौता चाहते हैं तो उन्हें अपनी भाषा बदलनी होगी।

अराघची का यह बयान ट्रम्प के उस दावे के बाद आया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि उन्होंने खामेनेई को मरने से बचाया, नहीं तो उनकी बहुत बुरी मौत होती। अराघची ने इजराइल पर भी तंज किया। उन्होंने कहा कि जब ईरानी मिसाइलें गिरती हैं तो इजराइल डर के मारे डैडी के पास भागने को मजबूर हो जाता है। ट्रम्प को पहली बार नाटो चीफ मार्क रूटे ने मजाकिया अंदाज में डैडी कहा था।

दलित व जनजाति वर्ग के छात्रों की छात्रवृत्ति की समस्या का समाधान करें मुख्यमंत्री आदित्यनाथः मायावती

एजेंसी

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़ से संबद्ध कई जिलों के दर्जनों कालेजों के दलित व जनजाति वर्ग के छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति का मामला उठाते हुए मुख्यमंत्री (योगी आदित्यनाथ) से इसके समाधान का अनुरोध किया है। बसपा प्रमुख ने रविवार को सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्व पर एक पोस्ट में कहा राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़ से संबद्ध कई जिलों के दर्जनों कालेजों के हजारों एससी/एसटी वर्ग (अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग) के छात्र व छात्राओं की छात्रवृत्ति का सरकारी स्तर पर अब तक सही से समय पर निपटारा नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि इसके कारण छात्र-छात्राओं के भविष्य के अधर में लटकने के खतरे से लोगों में भारी बेचैनी व आक्रोश व्याप्त है। पूर्व मुख्यमंत्री ने खुद को मिली जानकारी का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय व जिला प्रशासन की ओर से भी इस सम्बंध में बार-बार पत्राचार के बावजूद लखनऊ स्थित समाज कल्याण विभाग स्तर पर

14 सितंबर, 2021 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिलान्यास किया था। इस विश्वविद्यालय से संबद्ध कई जिलों के कॉलेजों में पढ़ने वाले दलित और जनजाति वर्ग के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति मिलती है।

असंवेदनशीलता व लापरवाही बरती गई है। उन्होंने कहा कि इसी का परिणाम है कि लगभग 3,500 दलित छात्र व छात्राओं के शैक्षणिक जीवन पर भारी खतरा मंडरा रहा है। मायावती ने एक पोस्ट में कहा, चूंकि माननीय मुख्यमंत्री जी के विशेष प्रयासों से ही अलीगढ़ का उक्त विश्वविद्यालय स्थापित हुआ है, इसलिए आशा है कि वह इसके सुचारु संचालन में रूचि लेकर खासकर हजारों दलित छात्र/छात्राओं की गंभीर समस्या का तत्काल समाधान निकालेंगे। राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश में स्थित एक राज्य विश्वविद्यालय है, जिसका 14 सितंबर, 2021 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिलान्यास किया था। इस विश्वविद्यालय से संबद्ध कई जिलों के कॉलेजों में पढ़ने वाले दलित और जनजाति वर्ग के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति मिलती है। कुछ छात्रों ने शिकायत की है कि उनके छात्रवृत्ति फॉर्म विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा निरस्त कर दिए गए हैं।

आर्टिकल 370 अंबेडकर के विचार के खिलाफ था : सीजेआई गवई

वे हमेशा एक संविधान के पैरोकार रहे; गवई फैसला सुनाने वाली बेंच का हिस्सा थे

सीजेआई गवई तत्कालीन सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की उस संविधान पीठ का हिस्सा थे, जिसने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र के फैसले को बरकरार रखा था।

एजेंसी

नागपुर , सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई ने शनिवार को कहा- आर्टिकल 370 बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के देश के लिए एक संविधान की सोच के खिलाफ था। उन्होंने कहा कि अंबेडकर ने देश को एकजुट रखने के लिए एक संविधान की पैरोकारी की थी। कभी किसी राज्य के लिए अलग संविधान के विचार का

समर्थन नहीं किया। गवई ने आगे कहा- जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाने के केंद्र के फैसले को बरकरार रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक संविधान के तहत अखंड भारत के अंबेडकर के दृष्टिकोण से प्रेरणा ली। चीफ जस्टिस ने शनिवार को महाराष्ट्र के नागपुर में संविधान प्रस्तावना पार्क के उद्घाटन के मौके पर यह बात कही।

डेढ़ साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर से 370 हटाने का फैसला बरकरार रखा था

11 दिसंबर 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने का केंद्र सरकार का फैसला बरकरार रखा था। सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधान पीठ ने कहा था - आर्टिकल 370 अस्थायी प्रावधान था। संविधान के अनुच्छेद 1 और 370 से स्पष्ट है कि जम्मू और कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। भारतीय संविधान के सभी प्रावधान वहां लागू हो सकते हैं। केंद्र ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से 370 हटा दिया था। इसके 4 साल, 4 महीने और 6 दिन बाद आए 476 पेज के फैसले में कोर्ट ने कहा, हम आर्टिकल 370 को निरस्त करने के लिए जारी राष्ट्रपति के आदेश को वैध मानते हैं। हम लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के फैसले की वैधता को भी बरकरार रखते हैं। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में 30 सितंबर 2024 तक विधानसभा चुनाव कराने के आदेश दिए।

गांधी परिवार का संविधान को कुचलने का इतिहास रहा हैः उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

मौर्य ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अपने को अंग्रेजी शासन का असली उत्तराधिकारी मानने वाले गांधी परिवार को भारत के संविधान से कभी कोई खास लेना-देना नहीं रहा बल्कि उसे कुचलने का इतिहास रहा है।

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि गांधी परिवार का संविधान को कुचलने का इतिहास रहा है। मौर्य ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अपने को अंग्रेजी शासन का असली उत्तराधिकारी मानने वाले गांधी परिवार को भारत के संविधान से कभी कोई खास लेना-देना नहीं रहा बल्कि उसे कुचलने का इतिहास रहा है। मौर्य ने कहा अंग्रेजियत में डूबा गांधी परिवार अगर कायदे से भारतीय संविधान पर अमल करता, तो उसे आज संविधान अपने माथे पर लेकर घूमना नहीं पड़ता।

मानसून ने 9 दिन पहले पूरे भारत को घेरा

दिल्ली समेत उत्तर भारत में झमाझम बारिश, आईएमडी ने की घोषणा

आईएमडी ने रविवार को दिल्ली के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें अगले कुछ दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने का पूवार्नुमान है। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में मानसून अपने सामान्य आगमन की तारीख 27 जून से दो दिन की देरी से पहुंचा।

एजेंसी

देश भर में बेसब्री से इंतजार किए जा रहे दक्षिण-पश्चिम मानसून ने इस साल तय समय से काफी पहले पूरे भारत को अपनी चपेट में ले लिया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा कर दी। आईएमडी ने 8 जुलाई तक पूरे देश में मानसून के फैलने का अनुमान लगाया था, लेकिन नौ दिन पहले ही, 29 जून को, बारिश ने पूरे भारत को घेर लिया। रविवार को दिल्ली सहित उत्तर भारत के राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई।

दिल्ली में मानसून का आगमन, येलो अलर्ट जारी

आईएमडी ने रविवार को दिल्ली के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें अगले कुछ दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश जारी रहने का पूवार्नुमान है। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में मानसून अपने सामान्य आगमन की तारीख 27 जून से दो दिन की देरी से पहुंचा।

आईएमडी द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, 'दक्षिण-पश्चिम मानसून आज राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा के शेष हिस्सों और पूरे दिल्ली क्षेत्र में आगे बढ़ गया है। इस प्रकार, इसने 8 जुलाई की सामान्य तिथि के बजाय 29 जून को पूरे देश को कवर कर लिया।'पिछले सालों की तुलना में मानसून की चाल

पिछले साल, दक्षिण-पश्चिम मानसून ने 2 जुलाई तक पूरे देश को कवर कर लिया था, जो अपने सामान्य समय से छह दिन पहले था। इस साल, मानसून सामान्य से एक सप्ताह पहले 24 मई को केरल पहुंचा और 11 जून की सामान्य शुरूआत की तारीख से लगभग दो सप्ताह पहले 26 मई को मुंबई पहुंचा। हालांकि, आईएमडी के अनुसार, जून के पहले सप्ताह में मानसून की गतिविधि में कुछ 'विराम' देखा गया था, जिसके बाद 12 जून से इसने फिर से तेजी पकड़ी।

संक्षेप

युवक की संदिग्ध मौत पर ग्रामीणों का विरोध

नहर में मिला युवक का शव, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

सुलतानपुर, उदयपुर पुल के पास रामगंज रजबहा नहर में एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में तनाव का माहौल है। मृतक की पहचान बीसापुर गांव के 23 वर्षीय सुमित प्रजापति के रूप में हुई है। सुमित घर से लापता था। परिजनों ने प्रतापगंज चौकी में इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। शनिवार शाम को नहर में उनका शव मिला। शव पर गंभीर चोट के निशान मिलने के बाद परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। पोस्टमार्टम के बाद जब शव गांव पहुंचा, तो सैकड़ों ग्रामीण वहां एकत्र हो गए। परिजनों और ग्रामीणों ने पकड़ी के पास शव रखकर विरोध प्रदर्शन किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए देहात कोतवाली, शिवगढ़ और धम्मौर थाने की पुलिस मौके पर तैनात है। देहात कोतवाल अखंड देव मिश्रा के अनुसार, गोताखोर की रिपोर्ट, पुलिस की तहरीर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज किया जाएगा। फिलहाल परिजनों की तरफ से कोई तहरीर नहीं मिली है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान

डॉ. सिंह बोले- बुजुर्ग नहीं, वरिष्ठ नागरिक कहें

सुल्तानपुर, लंभुआ नगर पंचायत के सर्वोदय नगर स्थित एक निजी मैरिज लॉन में कुटुंब प्रबोधन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों का विशेष सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. जेपी सिंह ने कहा कि कुटुंब को परिवार की तरह समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में चंद्रमा को चंदा मामा और पृथ्वी को धरती माता माना जाता है। डॉ. सिंह ने बताया कि आज के बच्चों में संस्कार भरने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बड़ी उम्र के लोगों को बुजुर्ग की जगह वरिष्ठ नागरिक कहना चाहिए, क्योंकि उनके पास विशेष अनुभव होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधान देवी सिंह ने की। उन्होंने आयोजक पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रमोद सिंह का धन्यवाद किया। देवी सिंह ने बताया कि लंभुआ में पहली बार वरिष्ठ नागरिक सम्मान का कार्यक्रम हुआ है। उन्होंने कहा कि अब इस कार्यक्रम को जिले और प्रदेश स्तर तक ले जाया जाएगा।

पीएम मोदी की मन की बात का सामूहिक श्रवण

दुल्हापुर शक्ति केंद्र पर भाजपा कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने सुना कार्यक्रम

सुल्तानपुर, लंभुआ विधानसभा क्षेत्र स्थित दुल्हापुर शक्ति केंद्र पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ। भाजपा नेता विकास वर्मा की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में देश में चल रहे विकास कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने युवाओं की उपलब्धियों और समाज में हो रहे सकारात्मक बदलावों का जिक्र किया।

ईरान-इजराइल युद्ध का बाजार पर असर

प्रयागराज में सेंधा नमक और ड्राई फ्रूट्स के दाम 25 रुपए तक बढ़े, सावन-मोहर्रम में डिमांड ज्यादा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, सावन मास की शुरुआत और मोहर्रम के मौके पर प्रयागराज की धार्मिक तैयारियों में जहां आस्था का माहौल बन रहा है, वहीं महंगाई ने आम जनता की चिंता बढ़ा दी है। इसका सीधा कारण बना है–ईरान और इजराइल के बीच जारी युद्ध, जिसने भारतीय बाजार में खाड़ी देशों से आने वाली कई जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति को प्रभावित किया है। प्रयागराज के थोक व्यापारियों के अनुसार, बीते 15 दिनों में सेंधा नमक, पिस्ता, बादाम, काजू, खजूर और केसर जैसे ड्राई फ्रूट्स के दामों में 20-25% तक का उछाल देखा गया है। ये तमाम सामग्री खाड़ी देशों विशेषकर ईरान और इराक से भारत आती है। युद्ध के चलते वहां के बंदरगाह कई दिनों तक बंद रहे, जिससे भारत में इन वस्तुओं की सप्लाई बुरी तरह प्रभावित हुई है। सावन के व्रत रखने वाले श्रद्धालु सेंधा नमक का विशेष रूप से सेवन करते हैं, क्योंकि यह शुद्ध और उपवास योग्य माना जाता है। अब जब इसकी कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं, तो श्रद्धालुओं की जेब पर सीधा असर पड़ा है। दूसरी ओर, मोहर्रम के दौरान भी कई धार्मिक आयोजन और विशेष पकवानों में खजूर, काजू, बादाम, पिस्ता आदि की मांग बढ़ जाती है। अब इनका महंगा होना मुस्लिम समुदाय के लिए भी चिंता का विषय बन गया है। ताजिया, नज्र और फातिहा में उपयोग होने वाले सामान भी प्रभावित हो रहे हैं। थोक व्यापारियों का कहना है कि मौजूदा स्टॉक सीमित है। अगर खाड़ी देशों से सप्लाई जल्द नहीं आई, तो आने वाले त्योहारों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। ग्राहक भी बढ़ती कीमतों से परेशान हैं, और दुकानदार यही कह रहे हैं सप्लाई कम है, इसलिए रेट बढ़े हैं।ऽ जहां एक ओर युद्ध के दौरान सरकार ने भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला, वहीं अब जरूरत है कि आपूर्ति श्रृंखला को फिर से सुचारू करने के लिए भी कूटनीतिक प्रयास तेज किए जाएं। सावन और मोहर्रम के बाद रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, नवरात्र, दुर्गा पूजा और दिवाली जैसे पर्वों का दौर शुरू होगा। ऐसे में अगर स्थिति सामान्य नहीं हुई, तो महंगाई हर वर्ग को प्रभावित करेगी।

वृद्ध को वाहन ने टक्कर मारी

अस्पताल ले जाते समय 65 वर्षीय दिनेश यादव की मौत, पुलिस सीसीटीवी से कर रही चालक की तलाश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, थरवई थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। 49 नंबर फाटक के पास एक अज्ञात वाहन ने 65 वर्षीय दिनेश यादव को टक्कर मार दी। दिनेश यादव बिसुनदास का पुरवा पडिला के निवासी थे। वह अपने परिवार के साथ रहते थे और खेती एवं पशुपालन से जीविकोपार्जन करते थे। टक्कर इतनी तेज थी कि वह मौके पर ही बेहोश हो गए। स्थानीय लोगों ने घायल दिनेश को पहले नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति देखते हुए इलाज से मना कर दिया। इसके बाद परिजन उन्हें स्वरूप रानी अस्पताल ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के दौरान ही उनकी मृत्यु हो गई। थरवई थाना पुलिस ने परिवार की शिकायत पर अज्ञात वाहन और चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से वाहन और चालक की पहचान की कोशिश की जा रही है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया वृक्षारोपण

❍ **श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि, मन की बात भी सुनी**

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, मुसाफिरखाना में जमुवारी मंडल के बूथ संख्या 60 पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यकर्ताओं ने वृक्षारोपण किया और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यकर्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण किया। उन्होंने एकात्म राष्ट्रवाद के प्रणेता डॉ. मुखर्जी के व्यक्तित्व और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण पर चर्चा की। कार्यक्रम के बाद सभी कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम सुना। उन्होंने प्रधानमंत्री के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। इस मौके पर जिला मंत्री प्रभातशुक्ला मंडल अध्यक्ष राम गोपाल कौशल

भामाशाह जयंती पर व्यापारियों का सम्मान

सुलतानपुर में भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने किया कार्यक्रम, परंपरागत व्यापार को बचाने पर जोर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की कादीपुर तहसील इकाई ने भामाशाह जयंती पर समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पुलिस क्षेत्राधिकारी विनय गौतम ने कहा कि व्यापारी समाज की रीढ़ है। उन्होंने व्यापारियों के सुख को प्रशासन की सफलता का मापक बताया। प्रदेश महामंत्री रवीन्द्र त्रिपाठी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने परंपरागत व्यापार को बचाने के लिए ऑनलाइन व्यापार को नियंत्रित करने की बात कही। प्रदेश मंत्री अनूप श्रीवास्तव ने व्यापारियों की सामाजिक भागीदारी की सराहना की। जिला अध्यक्ष रमेश अग्रहरि ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने लोक भवन में भामाशाह जयंती मनाकर व्यापारियों का सम्मान बढ़ाया है। मीडिया प्रभारी जय प्रकाश मिश्र ने व्यापारियों से देशहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम का स्वागत तहसील अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल ने किया। संचालन जिला मंत्री श्याम चंद्र श्रीवास्तव ने किया। समारोह में विश्वनाथ बरनवाल, गुलाब चंद्र मोदनवाल, डॉ. मंगला प्रसाद श्रीवास्तव समेत कई वरिष्ठ व्यवसायियों को अंगवस्त्र और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में तहसील महामंत्री विजय गिरि, नगर अध्यक्ष शिवमंगल सिंह, उपाध्यक्ष सतीश मोदनवाल, महामंत्री मानसिंह अग्रहरि, प्रदीप कुमार और कोषाध्यक्ष सूर्यलाल गुप्त सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

स्मैक तस्कर गिरफ्तार

❍ **310 ग्राम स्मैक बरामद, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 30 लाख रुपये**

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, पुलिस ने नशा मुक्त अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई की है। कमरौली थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक अंतरजनपदीय तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 310 ग्राम स्मैक बरामद हुई है। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 30 लाख रुपये है। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर यह कार्रवाई शनिवार को की गई। अपर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम ने यह सफलता हासिल की। कमरौली पुलिस टीम संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बाराबंकी के थाना सुबेहा क्षेत्र के सिधियांवा गांव निवासी प्रेम कुमार के रूप में हुई है। वह 41 वर्षीय है। पुलिस के मुताबिक प्रेम कुमार का आपराधिक इतिहास रहा है। उस पर बाराबंकी और अमेठी में लूट, डकैती और हत्या के प्रयास के कई मामले दर्ज हैं। कमरौली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है।

ऑनलाइन ठगी में तीन आरोपी गिरफ्तार

15.84 लाख की धोखाधड़ी में भोपाल से पकड़े गए, 16 डेबिट कार्ड और 15 चेकबुक बरामद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, भोपाल से तीन साइबर ठगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों ने सोशल मीडिया पर फर्जी लिंक भेजकर एक व्यक्ति से 15.84 लाख रुपए की ठगी की थी। रामगंज थाना क्षेत्र के त्रिसुंडी अग्रेसर गांव निवासी आशीष विक्रम सिंह को फेसबुक पर एक लिंक मिला। लिंक खोलने पर व्हाट्सएप पर मैसेज आया। इसके बाद टेलीग्राम पर एक टास्क दिया गया। टास्क पूरा करने पर पीड़ित को 10 हजार रुपए मिले। लेकिन उसका खाता माइनस हो गया। खाता बैलेंस को सही करने के नाम पर आरोपियों ने कई किश्तों में 15 लाख 84 हजार 100 रुपए अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करवा लिए। पीड़ित की शिकायत पर साइबर पुलिस ने लखनऊ एसटीएफ के सहयोग से जांच शुरू की। जांच में पता चला कि खाताधारक भोपाल के रहने वाले हैं। पुलिस ने भोपाल से शिवांश मिश्रा, रवी सिंह और उमाशंकर तिवारी को गिरफ्तार किया। आरोपियों से 3 मोबाइल फोन, 16 डेबिट कार्ड, 15 चेकबुक, 359 व्हाट्सएप चैट स्क्रीनशॉट, 9 पासबुक, एक पेन ड्राइव, एक ड्राइविंग लाइसेंस और एक आईडी कार्ड बरामद किए गए हैं। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

ट्रेन से गिरकर एयरपोर्ट अथॉरिटी के मैनेजर की मौत

अलीगढ़ में चलती ट्रेन से उतरते समय हादसा, पायदान पर बैठा एक युवक भी घायल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से गिरकर एक यात्री की मौत हो गई। वह चलती ट्रेन से ही उतर रहे थे और उनका पैर फिसल गया। जिसके कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों ने इसकी जानकारी तत्काल आरपीएफ और जीआरपी को दी। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची और रेलवे डॉक्टर ने घायल का इलाज शुरू किया। उसे सीपीआर भी दिया गया, लेकिन मौके पर ही घायल ने दम तोड़ दिया। जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं इस मामले में लापरवाही के आरोप लगे हैं। जिसकी जांच की जा रही है। महुआखेड़ा थाना क्षेत्र के डालचंद नगला निवासी 45 वर्षीय वितेंद्र कुमार पुत्र हरि सिंह दिल्ली में नौकरी करते थे। वह दिल्ली एयरपोर्ट एथॉरिटी में मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। शनिवार रात को वह ट्रेन से अलीगढ़ लौट रहे थे। ट्रेन प्लेटफार्म नंबर दो पर आई थी और रुक रही थी। लेकिन ट्रेन जैसे ही टूंडला छोर पर पहुंची, वितेंद्र कुमार चलती ट्रेन से ही उतर गए। जिसके कारण उनका पैर फिसल गया और वह गंभीर घायल हो गए। रेलवे डॉक्टर अलीगढ़ मंसूर अहमद ने जांच करने के बाद यात्री को मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। परिवार के लोगों ने बताया कि शव बहुत देर तक प्लेटफार्म पर ही पड़ा रहा था और जीआरपी और आरपीएफ ने उसे हटाया तक नहीं। जीआरपी यह काम आरपीएफ के ऊपर टालती रही, जबकि शव को पीएम के लिए भेजने का काम जीआरपी का है। वहीं एंबुलेंस भी देर से मौके पर पहुंची थी और उल्टे साइड जाकर खड़ी हो गई थी। दिल्ली की ओर जाने वाली नार्थईस्ट एक्सप्रेस में जनरल कोच के पायदान में बैठा एक व्यक्ति भी शनिवार को घायल हो गया। वह पायदान पर बैठा था और टूंडला रेलवे स्टेशन पर गाड़ी चलने के दौरान प्लेटफार्म से रगड़ खाकर वह गंभीर रूप से घायल हो गया। रेलवे अधिकारियों से सूचना मिलने पर एएसआइ पवनवीर सिंह और हेड कांस्टेबल बिजनेस मीणा ने उसे ट्रेन से उतारकर इलाज कराया। रेलवे डॉक्टर ने उसकी जांच की, जिसके बाद उसे मलखान सिंह जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बाइक विवाद में युवक ने रिश्तेदार को गोली मारी

मथुरा में वाट्सएप कॉल कर बुलाया, फिर तमंचे से हमला; आरोपी गिरफ्तार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, थाना इलाके में बाइक के लेन देन को लेकर गांव सलेमपुर में रविवार सुबह चार बजे एक युवक को घर से बुला कर गोली मार दी गई। गोली लगने से वह गंभीर घायल हो गया। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। महोली के रहने वाले रवि ने रविवार सुबह चार बजे गांव सलेमपुर निवासी रामकुमार को वॉट्सऐप काल करके जरूरी काम बताया और मिलने के लिए बुला लिया। रामकुमार के आते ही उसने तमंचा निकाल कर गोली मार दी। इससे वह घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। आरोपित मौके से फरार हो गया। घायल को देख लोगों ने पुलिस को सूचना दी। एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल को मथुरा न्यूरो अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद आरोपित की तलाश शुरू की। पुलिस ने भाग रहे आरोपित को दबोच लिया और पूछताछ शुरू कर दी। एसपी सिटी ने बताया कि दोनों युवक आपस में रिश्तेदार हैं। बाइक को लेकर दोनों में कोई विवाद चल रहा है।

अवैध निर्माण पर प्रशासन मौन

एसडीएम के रोक आदेश के बाद भी पुलिस संरक्षण में जारी है निर्माण कार्य

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, जयसिंहपुर तहसील क्षेत्र के हयातनगर गांव में प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना सामने आई है। गांव निवासी जगन्नाथ पाल ने उपजिलाधिकारी को बताया कि गाटा संख्या 934/0.123 हेक्टेयर नवीन परती भूमि पर राम नयन पाल अवैध रूप से बाउंड्रीवाल का निर्माण कर रहे हैं। उपजिलाधिकारी ने राजस्व निरीक्षक और लेखपाल को अतिक्रमण रोकने के निर्देश दिए। लेकिन आरोप है कि पुलिस और लेखपाल की मिलीभगत से निर्माण कार्य जारी है। शिकायतकर्ता के अनुसार, जब वे निर्माण रोकने गए, तो राम नयन पाल ने उन्हें थाने पर बुलवाकर मारने की धमकी दी। डायल 112 की टीम ने दो बार मौके पर पहुंचकर निर्माण रुकवाया। परंतु एसएचओ के कथित संरक्षण के कारण काम फिर शुरू हो गया। पूर्व में इसी मामले में एसएचओ ने एक पक्ष का शांति भंग में चालान किया था। स्थानीय लेखपाल की भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही है।

अवैध हथियार के साथ आरोपी धरा

पुलिस ने तमंचा और कारतूस के साथ युवक को पकड़ा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, पुलिस ने अवैध हथियारों के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मुसाफिरखाना थाना पुलिस ने क्षेत्र में गश्त के दौरान 24 वर्षीय समीर को पकड़ा। आरोपी के पास से एक देशी तमंचा और 315 बोर का एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर चल रहे अभियान में यह कार्रवाई की गई। क्षेत्राधिकारी अतुल कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रविवार को यह गिरफ्तारी की। आरोपी समीर तकिया मजरे जमुवारी का रहने वाला है। आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड काफी लंबा है। उस पर पहले से चार मामले दर्ज हैं। इनमें आर्म्स एक्ट, गोवध निवारण अधिनियम और एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले शामिल हैं। पुलिस ने मौजूदा मामले में आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 के तहत मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तारी में थाना प्रभारी विवेक कुमार सिंह, उप निरीक्षक राजेश कुमार श्रीवास्तव, हेड कांस्टेबल कन्हैयालाल और कांस्टेबल किशन चौहान की टीम शामिल रही।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी, एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग, कुर्ला (प) मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० -A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई, ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक - अरविंद कुमार शर्मा
EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935, 9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173
संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001
संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी